



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]  
No. 14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 2, 1994/ चैत्र 12, 1916  
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 2, 1994/CHAITRA 12, 1916

हम आप को भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए संविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government  
of India (other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1994

का.आ. 812.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रबंध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एनद्द्वारा गृह मंत्रालय, पुनर्वास विभाग में संयुक्त सचिव श्री जी.एस. संधु को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन महाभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से निष्क्रान्त सम्पत्ति के महाभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 1994 की अधिसूचना संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (ख) का अधिक्रमण किया जाता है।

[संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (ख)]

मु. असलम, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 17th February, 1994

S.O. 812.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of

1950), the Central Government hereby appoints Shri G.S. Sandhu, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as the Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing functions assigned to such Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(1)/94 Settlement (B) dated the 18th January, 1994.

[No. 1(1)/94-Settlement (B)]

M. ASLAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1994

का.आ. 813.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एनद्द्वारा गृह मंत्रालय, पुनर्वास विभाग में संयुक्त सचिव श्री जी.एस. संधु को उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 1994 की अधिसूचना संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (क) का अधिक्रमण किया जाता है।

[संख्या 1(1)/94-बन्दोबस्त (क)]

मु. असलम, उप सचिव

New Delhi, the 17th February, 1994

S.O. 813.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri G. S. Sandhu, Joint Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Chief Settlement Commissioner by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(1)/94-Settlement (A) dated 18th January, 1994.

[No. 1(1)/94-Settlement(A)]

M. ASLAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1994

का.आ. 814.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के भूमि एवं भवन विभाग, निष्क्रान्त सम्पत्ति सैल में अवर सचिव (यू.एल.सी.आर.) श्री जी.एम. मीणा को अवर सचिव के रूप में अपने दायित्वों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन सहायक बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से सहायक बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1(2)/94-बन्दोबस्त (क)]

पी.टी. चकोचन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th February, 1994

S.O. 814.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri G. S. Meena, Under Secretary (ULCR) in the Land and Building Department, Evacuee Property Cell, Government of N.C.T. of Delhi as Assistant Settlement Commissioner for the purpose of performing, in addition to his own duties as Under Secretary, the functions assigned to a Assistant Settlement Commissioner by or under the said Act.

[No. 1(2)/94-Settlement(A)]

P. T. CHACKOCHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1994

का.आ. 815.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रबंध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा दिल्ली के भूमि एवं भवन विभाग, निष्क्रान्त सम्पत्ति सैल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अवर सचिव (यू.एल.सी.आर.) श्री जी.एम. मीणा को उनके स्वयं के दायित्वों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन एक अभि-

रक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से दिल्ली में निष्क्रान्त सम्पत्तियों के अभिरक्षण के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1(2)/94-बन्दोबस्त (ख)]

पी.टी. चकोचन, अवर सचिव

New Delhi, the 24th February, 1994

S.O. 815.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri G. S. Meena, Under Secretary (ULCR) in the Land and Building Department, Evacuee Property Cell, N.C.T. of Delhi as the Custodian of Evacuee Properties in Delhi, in addition to his own duties, for the purpose of performing the functions assigned to a Custodian by or under the said Act.

[No. 1(2)/94-Settlement(B)]

P. T. CHACKOCHAN, Under Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1994

का.आ. 816.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की, होम (एस.सी.ए)/जी.ओ.आर.टी. सं. 3280 दिनांक 18-12-1993 द्वारा प्राप्त हुई, सहमति से निम्नलिखित विवरणानुसार 19-10-1993 को एम.आई.यू./II एम.आई.सी.-1/के.अ. ब्यूरो/नई दिल्ली में रजिस्टर्ड आर.सी.-3 (एस)/93 में अपराधों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों तथा अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है :—

मामला सं. और विधि की धारा	अभियुक्त का नाम
भा.द.संहिता की धारा 120-बी,	1. एम. परैया
420, 381, 468 तथा 478 और	2. आर.पी. रेड्डी
शासकीय गुप्त वात अधिनियम, 1923	3. बाई.आर. गर्मा
की धारा 5 के अन्तर्गत मामला सं.	
आर.सी-3 (एस)/93-एस आई यू-II/	
एम.आई.सी.-1/नई दिल्ली।	

(ख) ऊपर वर्णित अपराधों में से किसी एक या अधिक अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वेने हो संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध या अपराधों के संबंध में या उनके संसक्त प्रयत्न, दुष्प्रेरण और पड्यंत्र।

[संख्या 228/3/94-ए.बी.डी. II]

आर.एस. विष्ट, अवर सचिव

## MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. &amp; PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

## ORDER

New Delhi, the 16th March, 1994

O. 816.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government, with the consent of State Government Andhra Pradesh vide Home (SC-A)/G.O. Rt. No. 3280 dated 18-12-1993 hereby extends the powers and jurisdiction the members of Delhi Special Police Establishment to the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences RC 3(S)/93-registered at STU.II/STC. I/CBI/New Delhi 9-10-1993 as indicated below :—

se No. and Section of Law

se No. 3(S)/93-STU.II/STC. I New

Delhi under Section 120-B, 420, 381, 468

and 478 IPC and also U/s. 5 of Official Secrets Act, 1923.

## Name of the Accused.

1. S. Papaiah
2. R. P. Reddy
3. Y.R. Sarma

(B) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts

[No. 228/3/94-AVD-II]

R. S. BISHT, Under Secy.

## नागरिक प्रति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

## भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 09 मार्च, 1994

का.आ. 817.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

## अनुसूची

क्रम	स्थापित भारतीय मानकों की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्तित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
1	2	3	4
1.	आई एस : 101 (भाग 9/खंड 1) : 1993 दोगन, वानिश् और संबद्ध उत्पाद के नमूने लेने और परीक्षण की विधियां भाग 9 लिबर और वानिश् का परीक्षण खंड 1 अम्ल मान (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 101-1952	93-05-31
2.	आई एस : 5845:1993 पे गै के अलावा उपयोग हेतु अल्पदाब वेल्डित इस्पात गैस सिलिंडर के निरीक्षण की रीति संहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 5845 : 1970	93-03-31
3.	आई एस : 6211:1993 कागज और बोर्ड पैकेजिंग की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 6211:1971	93-07-31
4.	आई एस : 6849 (भाग 1):1993 घनात्मक विस्थापन-कार्य-कारिता अधिलक्षणी का मापन भाग 1 प्रवाह के आयतन दर का माप (पंपिंग गति)	आई एस : 6849:1973	93-02-28
5.	आई एस : 6894:1992 मॉल्टिंग जो विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 6894:1993	93-05-31
6.	आई एस : 7046:1992 अन्तःदेशीय जलपोत बन्दरगाह कण (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7046:1973	92-02-28
7.	आई एस : 7123:1993 केश तेल-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 7123:1973	93-06-30
8.	आई एस : 7289:1992 दो, तीन या चार पार्श्व ड्रेसिंग के लिए बुडवकिंग मनेनिंग मशीन हेतु परीक्षण चार्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7289:1974	92-12-30
9.	आई एस : 7309:1992 रीच एवं स्ट्रेडल फॉर्कलिफ्ट ट्रक-स्थिरता परीक्षण की विधि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7309:1973	93-03-31

1	2	3	4
10.	आई एस : 7623:1993 औद्योगिक प्रयोजनों हेतु लिथियम आधारित ग्रीज-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 7623:1956	93-06-30
11.	आई एस : 8107:1993 बुडकिंग मशीन-रूटिंग मशीन-नामकरण और स्वकारी गतों (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8107:1976	93-01-31
12.	आई एस : 8108 (भाग 8):1993 संपीडन गैस के लिए इस्पात सिलिंडरों की रीति संहिता भाग 8 सामान्य कार्बनिक प्रशीतन गैस	आई एस : 8198:1979	93-05-31
13.	आई एस : 8541:1993 फर्ण और लकड़ी के फर्नीचर के लिए पॉलिश लेपी-विशिष्ट	आई एस : 8541:1977	93-05-31
14.	आई एस : 8623 (भाग 1):1993 अल्प वोल्टता स्विचगीयर और कंट्रोल गीयर एसेम्बली की विशिष्ट भाग 1 नेमी परीक्षणों और आंशिक नेमी परीक्षण एसेम्बली हेतु अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8632:1977	93-05-31
15.	आई एस : 8623 (भाग 2):1993 अल्प वोल्टता स्विचगीयर और कंट्रोल गीयर एसेम्बली की विशिष्ट भाग 2 बसबार ट्रेकिंग मिस्टम हेतु विशिष्ट अपेक्षाएं (बसवेज) (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8623:1977	93-05-31
16.	आई एस : 9113:1993 वस्त्रादि-पटसन के सेकिंग-सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9113-1979	93-05-31
17.	आई एस : 9401 (भाग 15/खंड 1):1993 नदीवाटी परियोजनाओं में कार्य मापन की विधि (बांध और संलग्न संरचनाएं) भाग 15 इन्वेस्टेशन कार्य, खंड 1 और छेदों का वेधन	आई एस :	93-05-31
18.	आई एस : 9870:1993 टेलीविजन ग्राही पर विषयपरक परीक्षण हेतु सूचना मार्गदर्शिका (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9870:1981	93-02-28
19.	आई एस : 9897:1993 कटिंग औजारों हेतु इंडेक्सेबल अन्तर्वेशी (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9897:1981	93-02-28
20.	आई एस : 9917-1993 कैल्शियम आधारित हीटर स्थायी ग्रीज विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		
21.	आई एस : 11182 (भाग 5):1993 विद्युत उपकरण की रोधन प्रणाली के मूल्यांकन की मार्गदर्शिका भाग 5 यांत्रिक सहायता कार्य-कारी परीक्षण	---	93-02-28
22.	आई एस : 11720 (भाग 4):1993 मॉल्टिप्ट रबड़ की परीक्षण विधियां भाग 5 वाष्पशील द्रव्य का निर्धारण	---	93-05-31
23.	आई एस : 12308 (भाग 14) डलवा और कच्चे लोहे के रासायनिक विश्लेषण की विधियां भाग 14 हाइड्रोजन परऑक्साइड द्वारा रासायनिक विश्लेषण की विधियां (0.25 प्रतिशत तक टाइटेनियम)	---	93-05-31
24.	आई एस : 12970 (भाग 3/खंड 3):1993 अर्ध चालक युक्तियां एकीकृत परिपथ-मापन विधियां भाग 3 कार्यकारिता मूल्यांकन की विधियां	---	93-06-30
25.	आई एस : 13122 (भाग 1):1993 औद्योगिक प्रक्रम नियंत्रण तंत्रों में प्रयुक्त प्रेषक भाग 1 कार्यकारिता मूल्यांकन की विधियां	---	93-06-30
26.	आई एस : 13555:1993 चालित उपकरणों के विभिन्न प्रकारों हेतु 3 फेजी ए सी प्रेरण मोटर के चुनाव और उपयोग की मार्गदर्शिका	---	93-05-31
27.	आई एस : 13557 (भाग 4):1993 सूचना प्रक्रमण प्रणालियां— शब्दावली भाग 4 आंकड़ों का संगठन	---	93-01-31

1	2	3	4
28.	आई एस : 13557 (भाग 12):1992 सूचना प्रक्रमण प्रणालियाँ— शब्दावली भाग 12 पेरीफरल उपस्कर	---	93-01-31
29.	आई एस : 13581:1993 कृषि हेतु पहिएदार ट्रैक्टर—चालक सीट— प्रेषित कम्पनों का प्रयोगशाला मापन	---	93-02-28
30.	आई एस : 13619:1993 औद्योगिक भाप और गर्म पानी के बॉयलर संयंत्र—लॉग और सारांश पत्रों का रखरखाव—सिफारिशें	---	93-05-31
31.	आई एस : 13630 (भाग 1):1993 सिरैमिक टाइल्स—परीक्षण विधि भाग 1 आयात और सतह की गुणता का निर्धारण	---	93-04-30
32.	आई एस : 13633:1993 जलपोत निर्माण—जलपोत संरचनाओं और उपस्करों के स्थानीय कंपन आंकड़ों का मापन और रिपोर्टिंग	---	93-05-31
33.	आई एस : 13651:1993 विद्युत लेपन हेतु 1-1-1 ट्राइक्लोरो- मीथेन (मिथाइलक्लोरोफॉर्म)—विशिष्ट	---	93-05-31
34.	आई एस : 13654:1993 मोटर वाहन-यंत्र प्रणाली-विद्युत गति- मापी कार्यकारिता अपेक्षाएं	---	93-05-31
35.	आई एस : 13657:1993 खाद्य ग्रेड एस्पार्टेन—विशिष्ट	---	
36.	आई एस : 13661:1993 रतनजोत का तेल—विशिष्ट	---	93-05-31
37.	आई एस : 13665:1993 जलाशयों में गाद जमना—मापन विधि	---	93-05-31
38.	आई एस : 13662:1993 इसबगोल की भूसी—विशिष्ट	---	93-05-31
39.	आई एस : 13666:1993 ऊर्जा भंडारण संचारित्र—विशिष्ट	---	93-05-31

इन मानकों/संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों ग्रहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी और हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि./13:2]  
एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES  
CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION  
BUREAU OF INDIAN STANDARDS  
New Delhi, 09th March, 1994

S.O. 817.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987. The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 101 (Part 9/Sec 1): 1993 Methods of sampling and test for paints, varnishes and related products Part 9 tests for lacquers and varnish Section 1 Acid value (Third Revision)	IS 101 : 1952	93-05-31
2.	IS 5845 : 1993 Code of practice for inspection of low pressure welded steel gas cylinders other than LPG cylinders in use (Second Revision)	IS 5845 : 1970	93-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
3. IS 6211 : 1993 Code of practice for packaging of paper and board (First Revision)	IS 6211 : 1971		93-07-31
4. IS 6849 (Part 1) : 1973 Positive displacement vacuum pumps-Measurement of performance characteristics Part 1 Measurement of volume rate of flow (Pumping speed)	IS 6849 : 1973		93-02-28
5. IS 6894 : 1993 Malting Barley-Specification (First Revision)	IS 6894 : 1973		93-05-31
6. IS 7046 : 1993 Inland vessels-Harbour tugs-Guide for selection (First Revision)	IS 7046 : 1973		93-02-28
7. IS 7123 : 1993 Hair oils-Specification (Second Revision)	IS 7123 : 1973		93-06-30
8. IS 7289 : 1992 Test chart for woodworking planing machines for two, three or four-side dressing (First Revision)	IS 7289 : 1974		92-12-31
9. IS 7309 : 1993 Reach and straddle forklift trucks- Method of stability tests (First Revision)	IS 7309 : 1973		93-03-31
10. IS 7623 : 1993 (Lithium base grease for industrial purposes-Specification (Second Revision)	IS 7623 : 1956		93-06-30
11. IS 8107 : 1993 Woodworking Machines-Routing Machines-Nomenclature and acceptance conditions (First Revision)	IS 8107 : 1976		93-01-31
12. IS 8198 (Part 8) : 1993 Code of practice for steel cylinders for compressed gases Part 8 common organic refrigerant gases (First Revision)	IS 8198 : 1979		93-05-31
13. IS 8541 : 1993 Polish, paste, for floor and wooden furniture-specification (First Revision)	IS 8541 : 1977		93-05-31
14. IS 8623 (Part 1) : 1993 Specification for low-voltage switchgear and controlgear assemblies Part 1 requirements for type-tested and partially type-tested assemblies (First Revision)	IS 8623 : 1977		93-05-31
15. IS 8623 (Part 2) : 1993 Specification for low-voltage switchgear and controlgear assemblies Part 2 particular requirements for busbar trunking systems (Bus ways) (First Revision)	IS 8623 : 1977		93-05-31
16. IS 9113 : 1993 Textiles-Jute sacking general requirements (First Revision)	IS 9113 : 1979		93-05-31
17. IS 9401 (Part 15/Sec 1) : 1993 Method of measurement of works in river valley projects (Dams and appurtenant structures) Part 15 investigation works Section 1 Drilling of bore holes	IS —		93-05-31
18. IS 9870 : 1993 Informative guide for subjective tests on television receivers (First Revision)	IS 9870 : 1981		93-02-28
19. IS 9897 : 1993 Indexable inserts for cutting tools-designations (First Revision)	IS 9897 : 1981		93-02-28
20. IS 9917 : 1993 Calcium base heat stable grease-specification (First Revision)	IS 9917 : 1981		93-05-31
21. IS 11182 (Part 5) : 1993 Guide for evaluation of insulation systems of electrical equipment Part 5 Mechanical endurance functional tests	—		93-02-28
22. IS 11720 (Part 4) 1993 Methods of test for synthetic rubber Part 4 determination of volatile matter	—		93-05-31
23. IS 12308 (Part 14) Methods of chemical analysis of cast iron and pig iron Part 14 determination of titanium by hydrogen peroxide (Spectrophotometric) Method (For titanium up to 0.25 percent)	—		93-05-31
24. IS 12970 (Part 3/Sec 3) : 1993 Semiconductor devices-Integrated circuits Part 3 digital integrated circuits Measuring methods Section 3 dynamic measurements	—		93-06-30
25. IS 13122 (Part 1) : 1993 Transmitters for use in industrial process control systems-specification Part 1 methods for evaluating the performance	—		93-06-30
26. IS 13555 : 1993 Guide for selection and application of 3-phase A.C. Induction Motors for different types of driven equipment	—		93-05-31
27. IS 13557 (Part 4) : 1993 Information processing systems-vocabulary Part 4 organization of data	—		93-01-31
28. IS 13557 (Part 12) : 1993 Information processing systems-vocabulary Part 12 peripheral equipment	—		93-01-31
29. IS 13581 : 1993 Agricultural wheeled tractors-operator's seat-Laboratory measurement of transmitted vibration	—		93-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
30. IS 13619 : 1993 Industrial steam and hot water boiler plants-maintaining of log andfummary sheets-recommendations	—		93-05-31
31. IS 13630 (Part 1) : 1993 Ceramic tiles—Methods of test Part 1 determination of dimensions and surface quality	—		93-04-30
32. IS 13633 : 1993 Shipbuilding measurement and reporting of local vibration data of ship structures and equipment-code of practice	—		93-05-31
33. IS 13651 : 1993 1-1-1 Trichloroethane (Methyl chloroform) for electroplating-Specification	—		93-05-31
34. IS 13654 : 1993 Automotive vehicles-Instrument systems-electrical speedometer-performance requirements	—		93-05-31
35. IS 13657 : 1993 Aspartame food grade specification	—		93-06-31
36. IS 13661 : 1993 Ratanjot oil specification	—		93-05-31
37. IS 13665 : 1993 Sedimentation in reservoirs-method of measurement	—		93-05-31
38. IS 13662 : 1993 Isabgol husk Specification	—		93-05-31
39. IS 13666 : 1993 Energy storage capacitors-specification	—		93-05-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards Manak Bhavan 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad Bangalore, Bhopal Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]  
N. SRINIVASAN Addl. Director General

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

का.आ. 818.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन/जिन भारतीय मानक/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

#### अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक/को की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिरूपित भारतीय मानक अथवा मानकों यदि कोई हो की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
1	2	3	4
1.	आई एस : 330—1992 क्रोमियम ट्राइऑक्साइड-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 330—1968	1992-12-31
2.	आई एस : 739—1992 सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों हेतु पिटिंग एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम मिश्रधातु के तार (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 739—1992	1992-11-30
3.	आई एस : 1354—1992 कोक के परीक्षण की विधियाँ—विशेष परीक्षण (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1354—1964	1992-12-31
4.	आई एस : 1448 (भाग 21)—1992 पेट्रोलियम और उसके उत्पाद-परीक्षण विधियाँ (भाग 21) पेन्सकी मार्टेन उपकरण द्वारा प्रज्वलन बिन्दु (बंद) ज्ञात करना।	आई एस : 1448 (भाग 21)—1970	1992-12-31
5.	आई एस : 3124—1992 टारपिनिओल—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 3124—1975	1992-11-30

1	2	3	4
6.	आई एम : 4290 (भाग 2) : 1992 खुरदरापन तुलना करने हेतु नमूने भाग 2 स्पार्क सहित क्षरित शांत ब्लास्टिंग और ग्रिट ब्लास्टिंग तथा पालिश किए (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 4290-1968	1992-10-31
7.	आई एम : 4290 (भाग 3)-1992 खुरदरापन तुलना करने हेतु नमूने भाग 3 ठली सतहें (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 4290-1968	1992-10-31
8.	आई एम : 4410 (भाग 15/खंड 5)-1992 नदीवाटी परियोजना से संबद्ध पारिभाषिक शब्दावली भाग 15 नहर संरचना खंड 5-क्रास विकास कार्य (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 4410 (भाग 15/खंड 5)-1977	1992-11-30
9.	आई एम : 4589-1992 मिश्रित उद्योग के लिए सुबाह्य मिट्टी और धुंधी मुषट्म मिट्टी-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एम : 4589-1979	1992-11-30
10.	आई एम : 4998 (भाग 1)-1992 प्रबलित कंक्रीट चिमनी के डिजाइन की कसौटी भाग 1 भार का मूल्यांकन	आई एम : 4998 (भाग 1)-1975	1992-11-30
11.	आई एम : 5043-1992 2-एमीनोएन-अक्विनांन-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एम : 5043-1976	1992-08-31
12.	आई एम : 5757-1992 कीड़ का तेल-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एम : 5757-1971	1992-11-30
13.	आई एम : 6704-1992 फर्श की वर्णक युक्त लेपी पॉलिश-(पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 6704-1992	1992-11-30
14.	आई एम : 6981-1992 वायुधुवित प्राथमिक (कास्टिक सोडा) तर सैल हेतु कांच के जार-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 6981-1973	1992-11-30
15.	आई एम : 7356 (भाग 1)-1992 मिट्टी की और शिला बांधों में छिद्र दाब मापन के लिए यंत्रों के संस्थापन, रखरखाव और प्रेषण की रीति संहिता	आई एम : 7356 (भाग 1)-1974	1992-12-31
16.	आई एम : 7588-1992 विस्फोटक और आतिशबाजी के मिश्रणों हेतु बैराइटम-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 7588-1974	1992-11-30
17.	आई एम : 7694-1992 श्रेणी I-मालवाही आधान-कोने के लिए फिटिंग-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एम : 7694-1988	1992-09-30
18.	आई एम : 7893-1992 शल्यक्रिया हेतु यंत्र चिमटी टोबेल, बैकहास पैटर्न-आकार साइज और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 7893-1975	1992-11-30
19.	आई एम : 9127 (भाग 3)-1992 कोयले के पेट्रोग्राफिक विश्लेषण को विधियां भाग 3 विट्रुमिनिय कोयले और एंथ्रासाइट के मास्कीरल समूह संघटन का निर्धारण	आई एम :	1992-11-30
20.	आई एम : 9766-1992 तम्ब पी बी सी यौगिक विशिष्ट—(पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 9766-1981	1992-12-31
21.	आई एम : 10820 (भाग 5)-1992 मोटर वाहनों सेवाओं में प्रयुक्त रेडियो उपस्कर हेतु मापन की विधियां भाग 5 एक साइट बैंड तकनीक प्रयुक्त ग्राही (आर 3 ई, एच 3 है या जे 3 ई)	आई एम :	1992-10-31
22.	आई एम : 11545-1992 शल्यक्रिया यंत्र-रक्त बन्द करने वाली चिमटी, एडमन पैटर्न-आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 11545-1986	1992-11-30
23.	आई एम : 12012-1992 घरेलू और व्यापारिक द्रव गैस बहन साधित हेतु लो के स्वतः बुझ जाने पर गैस प्रवाह बंद करने वाली युक्ति सहित ग्रथवा रहित गैस टोंटी-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एम : 12012-1987	1992-11-30



1	2	3	4
24.	आई एस : 12373 (भाग 2)—1992 सूचना प्रक्रमण तंत्र हेतु खुला तंत्र अन्तर्कनेक्शन का सूलभूत संदर्भ मॉडल भाग 2 सुरक्षा वास्तुकला	---	1992-10-31
25.	आई एस : 12970 (भाग 6/खंड 4)—1992 अर्धचालक यक्तियाँ—एकीकृत परिपथ भाग 6 एनलॉग एकीकृत परिपथ—मापन विधियाँ खंड 4 एनलॉग मिगनल स्विचिंग परिपथ	---	1992-10-31
26.	आई एस : 13368—1992 दुहरे अन्तर्गत वाले अभिकेन्द्री पंखों की परीक्षण विधि	---	1992-11-30
27.	आई एस : 13420 (भाग 1)—1992 केबली द्वारा—विद्युत वितरण तंत्र भाग 1 मुख्य रूप से 30 भै. हर्ट्ज पर प्रचालित ध्वनि और टेलीविजन सिगनल हेतु तंत्र	---	1992-06-30
28.	आई एस : 13512—1992 पैकेजिंग प्लास्टिक की नम्य फिल्म से बने खाली केरे	---	1992-09-30
29.	आई एस : 13522—1992 विस्फोटकों और आतिशबाजी मिश्रणों हेतु चारकोल विशिष्टि	---	1992-11-30
30.	आई एस : 13518—1992 सिरा चूषण अपकेन्द्री पम्प (रेटिंग 16 बार) पदनाम सांकेतिक ड्यूटी प्वाइंट और आयाम	---	1993-09-30
31.	आई एस : 13523 (भाग 2)—1992 बिजली के चिकित्सा उपकरण शार्ट बैक थिरेपी उपस्कर भाग 2 कार्यकारिता अपेक्षाएं	---	1992-11-30
32.	आई एस : 13527—1992 विस्थापन सिन्टेन—विशिष्टि	---	1992-11-30
33.	आई एस : 13543—1992 मशीन औजार निर्माण हेतु मॉड्यूलर इकाइयाँ—केन्द्र आधार और कालम	---	1992-11-30
34.	आई एस : 13554—1992 दो अक्षणीय टर्मिनल वाले बेलनाकार घटक की आयामों मापन	---	1992-11-30
35.	आई एस : 13556 (भाग 1)—1992 क्रेन सूचना देनी है भाग	---	1992-11-30
36.	आई एस : 13559 (भाग 4)—1992 क्रेन-सूचना देनी है भाग 4 जिब क्रेन	---	1992-11-30
37.	आई एस : 13563—1992 वस्त्रादि मशीनरी और सहायकांग-झाड़ों के बयनसज्जा का संख्यांकन	---	1992-11-30
38.	आई एस : 13565—1992 नाइट्राइट के निर्धारण की स्पेक्ट्रो-फोटोमेट्रिक विधि	---	1992-11-30
39.	आई एस : 13598—1992 वस्त्रादि-उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन निवाड़—विशिष्टि	---	1992-11-30

इन मानकों/संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों अम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध है।

[सं. के.प्र.वि./13:2]

New Delhi, 9th March, 1994

S.O. 818—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on the date indicated against each:

## THE SCHEDULE

Sl. No.	New Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(1)	(3)	(4)
1.	IS : 3301992 Chromium trioxide-Specification (Second revision)	IS : 330—1968	1992-12-31
2.	IS : 739—1992 Wrought aluminium and aluminium alloys-wire for general engineering purposes—Specification (third revision)	IS : 739—1992	1992-11-30
3.	IS : 1354—1992 Methods of test for coke-special tests (second revision)	IS : 1354—1964	1992-12-31
4.	IS : 1448 (P: 21)—1992 Petroleum and its products—Methods of test (P:21) flash point (closed) by pensky martens apparatus (second revision)	IS: 1448 (P: 21)—1970	1992-12-31
5.	IS: 3124—1992 Terpincol-Specification (second revision)	IS: 3124—1975	1992-11-30
6.	IS: 4290 (Part 2)—1992 Roughness comparison specimens Part 2 Spark-eroded, shot-blasted and grit-blasted, and polished (first revision)	IS: 4290—1968	1992-10-31
7.	IS: 4290 (Part 3)—1992 Roughness comparison specimens Part 3 cast surfaces (first revision)	IS: 4290—1968	1992-10-31
8.	IS: 4410 (Part 15/Sec 5)—1992 Glossary of terms relating to river valley projects part 15 canal structures Section 5 cross-drainage works (first revision)	IS: 4410 (Part 15/Sec 5)—1977	1992-11-30
9.	IS: 4589—1992 Plastic clay and washed plastic clay for ceramic industry Specification (second revision)	IS: 4589—1979	1992-11-30
10.	IS: 4998 (Part 1)—1992 Criteria for design of reinforced concrete chimneys Part 1 Assessment of loads (second revision)	IS: 4998 (Part 1)—1975	1992-11-30
11.	IS: 5043—1992 2-aminoanthraquinone-specification (second revision)	IS: 5043—1976	1992-08-31
12.	IS: 5757—1992 Oil of pine—Specification (second revision)	IS: 5757—1971	1992-11-30
13.	IS: 6704—1992 Pigmented floor polish, paste-specification (first revision)	IS: 6704—1972	1992-11-30
14.	IS: 6981—1992 Glass jars for air-depolarized primary (caustic soda) wet cells—Specification (first revision)	IS: 6981—1973	1992-11-30
15.	IS: 7356 (Part 1)—1992 Code of practice for installation, maintenance and observation of instruments for pore pressure measurements in earth dams and rockfill dams	IS: 7356 (Part 1)—1974	1992-12-31
16.	IS: 7588—1992 Barytes for explosives and pyrotechnic compositions—Specification (first revision)	IS: 7588—1974	1992-11-30
17.	IS: 7694—1992 Series 1 freight containers—corner fittings-Specification (second revision)	IS: 7694—1988	1992-09-30
18.	IS: 7893—1992 Surgical instruments—Forceps towel, backhaus' pattern—shape, sizes and dimensions (first revision)	IS: 7893—1975	1992-11-30
19.	IS: 9127 (Part 3)—1992 Methods for petrographic analysis of coal Part 3 determination of maceral group composition of bituminous coal and anthracite	—	1992-11-30
20.	IS: 9766—1992 flexible PVC compounds—specification (first revision)	IS: 9766—1981	1992-12-31
21.	IS: 10820 (Part 5)—1992 I Methods of measurement for radio equipment used in the mobile services Part 5 Receivers employing single-side band techniques (R3E, H3E or J3E)	—	1992-10-31

1	2	3	4
22.	IS: 11545—1992 Surgical instruments—haemostatic forceps, adson's pattern—shape and dimensions (first revision)	IS: 11545—1986	1992-11-30
23.	IS: 12012—1992 Gas taps with or without flame failure device for domestic and commercial liquefied petroleum gas burning appliances—Specification (first revision)	IS: 12012—1987	1992-11-30
24.	IS: 12373 (Part 2)—1992 Basic reference model of open systems inter-connection for information processing systems Part 2 security architecture		1992-10-31
25.	IS: 12970 (Part 6/Sec 4)—1992 Semiconductor devices—integrated circuits Part 6 analogue integrated circuits—measuring methods Section 4 analogue signal switching circuits	—	1992-10-31
26.	IS: 13368—1992 Method of test for—double inlet centrifugal fans (Industrial type)	—	1992-11-30
27.	IS: 13420 (Part 1)—1992 Cabled distribution systems Part 1 Systems primarily intended for sound and television signals operating between 30 MHz	—	1992-06-30
28.	IS: 13512—1992 Packaging—empty sacks made from plastic flexible film—description and method of measurement	—	1992-09-30
29.	IS: 13522—1992 Charcoal for explosives and pyrotechnic compositions—specification	—	1992-11-30
30.	IS: 13518—1992 End-suction centrifugal pumps (rating 16 bar)—Designation nominal duty point and dimensions	—	1992-09-30
31.	IS: 13523 (Part 2)—1992 Medical electrical equipment—short-wave therapy equipment Part 2 Performance requirements	—	1992-11-30
32.	IS: 13527—1992 Replacement syntans—specification	—	1992-11-30
33.	IS: 13543—1992 Modular units for machine tool construction—centre bases and columns	—	1992-11-30
34.	IS: 13554—1992 Measurement of the dimensions of a cylindrical component having two axial terminations	—	1992-11-30
35.	IS: 13556 (Part 1)—1992 Cranes—controls—layout and characteristics Part 1 General principles	—	1992-11-30
36.	IS: 13559 (Part 4)—1992 Cranes—information to be provided Part 4 jib cranes	—	1992-11-30
37.	IS: 13563—1992 Textile machinery and accessories—Numbering of harnesses for—drawing—in on jacquard machines	—	1992-11-30
38.	IS: 13563—1992 Method for spectrophotometric determination of nitrite	—	1992-11-30
39.	IS: 13598—1992 Textiles high density polyethylene monofilament newar—specification	—	1992-11-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

#### कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1994

का. आ. 819.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः अर केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस. ई. सी. एल./बी. एस. पी./जी. एम./ (योजना)/भूमि/12/ तारीख 3 अप्रैल, 1993 का निरीक्षण माउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग) सीपत रोड, विकासपुर-495001 के कार्यालय में या कलक्टर गृहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक़्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, भार साधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) माऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि., सीपत रोड, त्रिलामपुर-495001 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

## अनुसूची

आमाओंड ब्लॉक—1

सोहागपुर कोलफील्ड्स

जमुना कोतमा क्षेत्र

जिला—शहडोल (मध्य प्रदेश)

(रेखांक सं. एम. ई. सो. एल./बो. एम. पी./जी. एम./योजना/भूमि/  
121 तारीख 3 अप्रैल, 1993)

क्रम सं.	ग्राम	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	जमुडी	25	कोतमा	शहडोल	539.805	पूर्ण
2.	उरा	25	कोतमा	शहडोल	644.393	पूर्ण
3.	पयारी	26	कोतमा	शहडोल	602.259	पूर्ण
4.	सोहीबेलहा	26	कोतमा	शहडोल	675.411	पूर्ण
5.	मझौली	26	कोतमा	शहडोल	337.134	पूर्ण
6.	धननौली	26	कोतमा	शहडोल	365.413	पूर्ण
7.	डडईवहरा	26	कोतमा	शहडोल	268.716	पूर्ण

कुल 3433.131 हेक्टर (लगभग)

या

8483.266 एकड़ (लगभग)

## सीमा वर्णन :

क-ख	रेखा केवई नदी और हेन्दी नाला के संगम पर “क” बिन्दु से आरंभ होती है और हेन्दी नाला से होकर गुजरती है तथा “ख” बिन्दु पर मिलती है।
ख-ग-घ	रेखा उरा ग्राम की पूर्वी सीमा के साथ-साथ और भागतः दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है तथा “घ” बिन्दु पर मिलती है।
घ-ङ-च-छ	रेखा ग्राम धननौली की पूर्वी सीमा, ग्राम मझौली की उत्तरी सीमा, मझौली और पयारी ग्रामों की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है तथा “छ” बिन्दु पर मिलती है।
छ-ज	रेखा ग्राम पयारी की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है तथा “ज” बिन्दु पर मिलती है।
ज-क	रेखा केवई नदी और पयारी, सोहीबेलहा, डडईवहरा, ग्रामों की पश्चिमी सीमाओं और जमुडी ग्राम की पश्चिमी उत्तरी सीमा के साथ-साथ चलती है और आरंभिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[सं. 43015/10/93-एल एस डब्ल्यू]

बी. बी. राव, अवसर सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 23rd February, 1994

**S.O. 819 .—**Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/Land/121 dated the 3rd April, 1993 of the area covered by the notification can be inspected in the office of the South Eastern Coalfields Limited, Revenue Section, Seepat Road Bilaspur-495001 or in the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

## SCHEDULE

## AMADAND BLOCK-I

## SOHAGPUR COALFIELDS

## JAMUNA-KOTMA AREA

## DISTRICT-SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

(Plan No. SECL/BSP/GM/PLG./Land/121  
dated 3rd April, 1993)

Sl. No,	Village	Patwari Halka Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Jamudi	25	Kotma	Shahdol	539.805	Full
2.	Oora	25	Kotma	Shahdol	644.393	Full
3.	Payari	26	Kotma	Shahdol	602.259	Full
4.	Sohibelha	26	Kotma	Shahdol	675.411	Full
5.	Majhauli	26	Kotma	Shahdol	337.134	Full
6.	Dhanauli	26	Kotma	Shahdol	365.413	Full
7.	Dadai Bahara	26	Kotma	Shahdol	268.716	Full
Total:—					3433.131 hectares (approximately)	or 8483.266 acres (approximately)

## Boundary description:—

<b>A-B</b>	Line starts from point 'A' on the junction of Kewai River and Hendri Nala, and passes through Hendri Nala and meets at point 'B'.
<b>B-C-D</b>	Line passes along the eastern and partly along the southern boundary of Oora Village and meets at point 'D'.
<b>D-E-F-G</b>	Line passes along the eastern boundary of village Dhanauli, northern boundary of village Majhauli, eastern boundaries of villages Majhauli and Payari and meets at point 'G'.
<b>G-H</b>	Line passes along the southern boundary of village Payari and meets at point 'H'.
<b>H-A</b>	Line passes through Kewai River and western boundaries of villages Payari, Sohibelha, Dadai Bahara and western-northern boundary of village Jamudi and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/10/93-LSW]  
B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1994

का. प्रा. 820.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपावद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी—1 (ई)/III/जे. जे. एम. आर./528—1292 तारीख 14 दिसम्बर, 1992 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग) कोयला ऐस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर 440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कवकटर, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, भार साधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., कोयला ऐस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर 440001 को भेजेंगे।

## अनुसूची

नवीन कुनाडा ब्लाक

माजरी क्षेत्र

जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी—1 (ई)/III/जे. जे. एम. आर./528—1292 तारीख 14 दिसम्बर, 1992

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सफिल सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियाँ
1.	देउलवाडा	4	भद्रावती	चन्द्रपुर	100.56	भाग
2.	चारगांव	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	37.31	भाग
3.	कुनाडा	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	78.43	भाग
कुल क्षेत्र					216.30 हैक्टर (लगभग)	
					या	
					534.48 एकड़ (लगभग)	

## सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा "क" बिन्दु से आरंभ होती है और भागतः चारगांव और कुनाडा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है और उसके पश्चात् ग्राम कुनाडा से होकर जाती है तथा "ख" बिन्दु पर मिलती है।
ख—ग	रेखा ग्राम कुनाडा से होकर गुजरती है उसके पश्चात् ग्राम देउलवाडा से होकर जाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
ग—घ	रेखा ग्राम देउलवाडा से होकर गुजरती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।
घ—ङ	रेखा देउलवाडा और कुनाडा, देउलवाडा और चारगांव ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है तथा "ङ" बिन्दु पर मिलती है।
ङ—च—क	रेखा ग्राम चारगांव से होकर गुजरती है। उसके बाद भागतः चारगांव और कुनाडा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ चलती है तथा आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/2/93—एन.एस.डब्ल्यू.]

बी. बी. राव, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 1994

**S.O. 820 .—**Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan bearing No. C-1(E)III/JMR/528-1292 dated the 14th December, 1992 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department, Coal Estate), Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) or in the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 10, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001, within ninety days from the date of publication of this notification.

**SCHEDULE**  
**NAVIN KUNADA BLOCK**  
**MAJRI AREA**  
**DISTRICT CHANDRAPUR**  
**(MAHARASHTRA)**

Plan No. C-1(E) III/JMR/528-1292 dated the 14th December, 1992.

Serial number	Name of Village	Patwari circle number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Deulwada	4	Bhadrawati	Chandrapur	100.56	Part
2.	Chargaon	28	Bhadrawati	Chandrapur	37.31	Part
3.	Kunada	28	Bhadrawati	Chandrapur	78.43	Part
Total area					216.30 hectares (approximately) or 534.48 acres (approximately)	

**Boundary description :**

- A-B** Line starts from point 'A' and passes partly along the common village boundary of villages Chargaon and Kunada, then proceeds through village Kunada and meets at points 'B'.
- B-C** Line passes through village Kunada then proceeds through village Deulwada and meets at point 'C'.
- C-D** Line passes through village Deulwada and meets at point 'D'.
- D-E** Line passes along the common village boundaries of villages Deulwada and Kunada; Deulwada and Chargaon and meets at point 'E'.
- E-F-A** Line passes through village Chargaon, then passes partly along the common village boundary of villages Chargaon and Kunada and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/2/93-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1994

का. आ. 821.—भारत के राजपत्र भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में तारीख 4 दिसम्बर, 1993 में पृष्ठ 3680 से 3681 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की, अधिसूचना का. आ. 2586 दिनांक 10 नवम्बर, 1993 में :—

(1) पृष्ठ क्रमांक 3680 पर सीमा वर्णन में रेखा "ग-घ" में "ग्राम भिवकुंते" के स्थान पर "ग्राम भिवकुंड" पढ़िए।

[फा. सं. 43015/6/93-एन. एस. डब्लू.]

बी. बी. राव, अवर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में

राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1994

का. आ. 822.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्व विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए व्योरे के अनुसार रु. 2,24,347/- (दो लाख चौबीस हजार तीन सौ सैतालीस मात्र) सिडिकेट बैंक, हाज खास, नई दिल्ली में 46 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना के अंतर्गत 7% की व्याज दर से 28-2-94 को निवेश की गई :

क्रम सं.	राशि	पिछले निवेश की तारीख	भुगतान की तारीख	अभियुक्तियां
1.	रु. 8,87,379/-	15-12-93	23-2-94	अतिरिक्त राशि इंडियन बैंक, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली में जमा 85 लाख रु. की छूट कीमत की राशि के साथ जमा कराई जाएगी।

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सं. आ. 120(ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन की योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्व विन्यास के खजांची के नाम होगा।

[सं. 13-6/94-टीआर-II]

सुरजीत माल, अवर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Women &amp; Child Development)

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890

(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March, 1994

S.O. 822.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 2,24,347/- (Rupees Two lakh Twenty four thousand Three hundred and Forty seven only) as per particulars given below invested in Fixed



of Deposit Scheme for 46 days in Syndicate Bank, Hawz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 28-02-94.

Sl. Amount No.	Date of Previous Investment	Date of Maturity	Remarks
1. Rs. 8,87,379/-	15-12-93	23-02-94	Surplus amount clubbed with discounted value of Rs. 85,00,000/- invested with Indian Bank, Safdurjung Enclave, New Delhi

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/94-TR-II]  
SURJIT LAL, Under Secy.

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में

राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1994

का. आ. 823.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्व विन्यास अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 10(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए ब्याज के अनुसार रु. 76,74,944/- (छह लाख चौहत्तर हजार नौ सौ चौवालीस मात्र) (रु. 85,00,000 छूट कीमत की राशि) इंडियन बैंक, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली में एक वर्ष के लिए सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट योजना के अंतर्गत 10.75% की ब्याज दर से 28-2-94 को पुनः निवेश की गई :

क्रम सं.	राशि	पिछले निवेश की तारीख	भुगतान की तारीख	अभिवृत्तियां
1.	रु. 70,00,000/-	28-8-93	28-2-94	
2.	रु. 8,87,379/-	15-12-93	23-2-94	बची हुई राशि 46 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना में सर्टिफिकेट बैंक, हीज खास, नई दिल्ली में जमा कराई जाएगी।

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सां.आ. 120(ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संभालन की योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्व विन्यास के खर्चा की के नाम होगा।

[सं. 13-6/94-टी-आर- II]  
सुरजीत लाल, अवर सचिव

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890  
(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March, 1994

S.O....823.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 10(2) of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890) the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 76,74,944/- (Rupees Seventy 715 GI/94—3

six lakh Seventy four thousand Nine hundred and Forty four only) (discounted value of Rs. 85,00,000/-) as per particulars given below be re-invested in Certificate of Deposit Scheme for one year in Indian Bank, AB-12, Safdurjung Enclave, New Delhi, at the rate of interest 10.75% per annum w.e.f. 28/02/94.

Sl. No.	Amount	Date of Previous Investment	Date of Maturity	Remarks
1,	Rs. 70,00,000/-	28-08-93	28-02-94	
2,	Rs. 8,87,379/-	15-12-93	23-02-94	Surplus amount will be deposited in FD for 46 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi.

2. The above account shall visist in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/94-TR-II]

SURJIT LAL, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1994

क्र. भा. 824—केंद्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम करा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना क्र. भा. 2166 तारीख 14 अक्टूबर, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाठ्यपत्र धित्व के प्रयोजनार्थ उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी,

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 28 अक्टूबर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केंद्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केंद्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः, हम केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना है;

और केंद्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) के प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगे यह निवेश करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, नदी

विस्तारों से मुक्त, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :—

अनुसूची

तहसील : बावल	जिला : रेवाड़ी	राज्य : हरियाणा			
संवित्त नाम	न. न.	संस्मृति नं. / किला नं.			
क्षेत्रफल	क्षेत्रफल	क्षेत्रफल			
हैक्टर	वारे	गैरी-आरे			
1	2	3	4	5	6
टाकरी :	48	73			
		13	0	08	85
		14	0	05	56
		18	0	06	83
		22	0	10	37
		39			
		2/2	0	03	04
		87			
		1	0	11	99
		2	0	02	28
		10	0	06	83
		88			
		6	0	04	55
		14	0	07	08
		15	0	10	88
		17	0	08	60
		18/1	0	09	36
		297/1	0	01	26

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
वारेण	7	15					2		0	01	52
		---					10		0	12	14
	21		0	12	05		11		0	07	08
	16						11				
	---						---				
	25		0	00	76		5/1		0	02	53
	20						5/2		0	09	61
	---						6		0	06	32
	5		0	10	37		7		0	05	82
	6		0	12	14		14		0	12	14
	14		0	06	07		17		0	11	58
	15		0	06	07		18		0	00	25
	17/1		0	07	08		23		0	08	09
	17/2		0	03	79		24		0	03	54
	23		0	01	26		46				
	24		0	10	88		---				
	21						3		0	11	38
	---						8/1/1		0	01	52
	1		0	00	51		8/2/2		0	06	07
	25						13		0	11	39
	3		0	10	88						
	4		0	01	26						
	8		0	12	14						
	12		0	03	00						
	13		0	07	08						
	19		0	11	13						
	21/2		0	03	75						
	22		0	11	13						
	32										
	---						21/2		0	00	25
	16		0	01	52		17				
	25		0	06	58		---				
	33						16		0	16	19
	---						25/1		0	03	85
	15/1/1		0	00	09		25/2		0	01	77
	15/2/2		0	05	82		24				
	16/1/1		0	03	28		---				
	16/2/2/1		0	01	04		5/2		0	05	56
	17/1/1		0	01	26		6/1/1		0	00	51
	17/1/2		0	06	32		6/2/2		0	00	09
	17/2/1		0	03	04		15/1/1		0	09	11
	17/2/2		0	02	28		15/2		0	02	28
	18/1/1		0	02	25		16		0	11	63
	18/1/2		0	01	01		17		0	00	76
	18/2/1		0	10	12		25				
	18/2/2		0	00	00		---				
	19/1		0	01	51		1/1		0	06	58
	19/2		0	01	56		10/2/1		0	08	85
	20/4		0	01	52						
	21/2		0	11	38						
	22		0	02	28						
	34										
	---										
	1/2		0	10	37						

तहसील : सज्जर	जिला : रोहतक		राज्य : हरियाणा			2	3	4	5	6
फोफा	247	29					12	0	03	04
		22	0	00	25		19/1	0	05	06
							19/2	0	05	58
सज्जर	106	15					22	0	11	16
							116			
		16/1	0	05	56		1/1	0	00	05
		25/1	0	03	29		1/2	0	00	76
		25/2	0	08	35		2/1	0	09	60
		16					2/2	0	00	25
		10/2	0	10	12		166	0	02	77
		11	0	08	60		185	0	02	77
		20	0	04	55		291	0	00	76
							292	0	00	76
							293	0	00	76
		20	0	08	11		301	0	00	51
		21	0	02	78		1071	0	01	01
		67					1072	0	01	77
गरासड़	106	66				कफाला भादरी	57	31		
		20	0	08	11		20/2/1	0	07	34
		21	0	02	78		42			
		67								
		15	0	00	06		11	0	01	01
		16	0	01	01		43			
		25	0	08	09		15	0	10	12
तहसील : रोहतक	जिला : रोहतक		राज्य : हरियाणा				16	0	11	13
1	2	3	4	5	6		25	0	11	13
हसमाईला	37	111					46			
11 बिसवा		15/1	0	11	13		5--	0	11	13
पाकसमा	57	11					6	0	11	13
		25/1/1	0	05	82		15/1	0	02	02
							15/2	0	06	06
तहसील : मोहाना	जिला : सोनीपत		राज्य : हरियाणा				16	0	11	62
भैसवाल रुसा मिठान	68	86					24	0	01	52
		3	0	03	28		25/1	0	08	84
		4/1	0	07	31		25/2	0	00	05
		4/2	0	02	02		60			
		7/1	0	00	05		4	0	10	37
		8	0	12	90		5	0	00	76
		12	0	05	06		7	0	11	63
		13	0	08	09		14/1	0	03	79
		19	0	11	38		14/2	0	07	84
		21	0	06	58		91	0	01	01
		22	0	06	58		104	0	02	28
							231	0	02	02
		108				शामडी बुरान	53	39		
							20	0	11	38
			0	11	38		21	0	08	35
		10	0	07	08		22/1	0	00	25
		11/2	0	07	84		22/2	0	00	51

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		46						15	0	07	84
		1	0	01	77			16/1	0	10	88
		2	0	07	33			18	0	11	38
		9	0	11	13			21/2	0	00	25
		12	0	09	61			22	0	03	29
		19	0	02	02			23	0	03	79
		20	0	07	59			25	0	11	13
		21	0	12	14			27			
		55						2/1	0	04	81
		1	0	12	14			2/2	0	04	05
		10	0	10	38			3	0	00	25
		11	0	02	78			5/1	0	01	01
		56						5/2	0	03	29
		6	0	00	25			6/1	0	07	33
		15/2	0	07	33			6/2	0	03	79
		16	0	13	66			9	0	09	36
		17	0	00	25			11	0	00	51
		24	0	12	15			12	0	11	13
		25	0	01	77			15	0	11	13
		133	0	04	05			16	0	10	88
		185	0	00	51			17	0	00	10
		189	0	02	53			19	0	03	79
		582	0	05	31			20	0	08	09
		585	0	00	76			21	0	11	63
		586	0	00	25			24	0	03	04
								25	0	08	09
								31			
तहसील : पानीपत	जिला : पानीपत	राज्य : हरियाणा						1	0	11	13
1	2	3	4	5	6			4	0	06	83
								5	0	03	79
ऊंटला	44	11						6	0	00	51
		14	0	03	29			7	0	11	13
		16	0	06	58			10	0	09	61
		17	0	11	63			11	0	01	01
		24	0	11	63			13	0	10	12
		25	0	11	63			14	0	11	13
		13						18	0	04	30
		10	0	01	77			19	0	14	42
		11	0	03	54			20	0	01	01
		20	0	00	10			21	0	12	39
		14						22	0	00	10
		3	0	02	53			32			
		4	0	08	60			6	0	02	28
		5	0	10	88			15	0	10	88
		6	0	09	86			16/3	0	10	88
		7	0	01	01			25/1	0	06	32
		8	0	10	88			25/2	0	05	82
		13	0	11	63			25/3	0	00	25
								42			
								5/1	0	05	31

1	2	3	4	5	6
	5/2		0	02	28
	5/3		0	04	05
	13		0	02	53
	14/1		0	05	56
	17/2		0	03	54
	18		0	08	09
	23		0	01	26
	49				
	8		0	07	33
	13		0	11	13
	18		0	11	13
	23/1		0	05	06
	23/2		0	06	07
	62				
	3		0	10	62
	8		0	11	13
	13		0	11	13
	18		0	11	13
	23		0	11	13
	66				
	2		0	01	52
	3		0	09	61
	8		0	07	33
	9		0	04	05
	12		0	06	32
	13		0	04	81
	18		0	03	04
	19		0	03	35
	22		0	10	37
	23		0	09	76
	76				
	2		0	11	38
	9		0	03	79
	81		0	25	04
	82/2		0	22	51
	87		0	05	56
	92		0	01	52
	98		0	01	77
	258		0	03	79
	277		0	02	28
	306		0	00	51
	308		0	00	51
	312		0	00	51
आसन खुद	22/	34			
	2		0	11	13
	9		0	11	13
	11		0	09	36
	12		0	05	06
	20		0	08	85

1	2	3	4	5	6
	35				
	16		0	06	07
	24		0	03	04
	25		0	12	14
	38				
	4		0	11	13
	7		0	03	29
	14		0	08	09
	77		0	09	36

[संख्या : आर-31015/32/93-ओ. आर.-I]

कुलदीप सिंह, व्यव. सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 824.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2166, dated the 16th October, 1993, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 28th October, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited :—

## SCHEDULE

Tehsil : Bawal District : Rewari State : Haryana					
Name of Village	Hadbast No.	Mustatcel/ Killa No.	Area Hec-tare	Area Centiare	
1	2	3	4	5	6
Tankri	48	73			
		13	0	08	85
		14	0	05	56

1	2	3	4	5	6	1	2	4	5	6	
		18	0	00	53		22	0	02	28	
		24	0	10	37		34				
		39					1/2	0	10	37	
		2/2	0	03	04		2	0	01	52	
		87					10	0	12	14	
		1	0	11	89		11	0	07	08	
		2	0	02	28		41				
		10	0	06	83		5/1	0	02	53	
		88					5/2	0	09	61	
		6	0	04	55		6	0	06	32	
		14	0	07	08		7	0	05	82	
		15	0	10	88		14	0	12	14	
		17	0	08	60		17	0	11	38	
		18/1	0	09	36		18	0	00	25	
		297/1	0	01	26		23	0	08	09	
							24	0	03	54	
		15					46				
		21	0	12	65		3	0	11	38	
		16					8/1/1	0	01	52	
		25	0	00	76		8/2/2	0	06	07	
		20					13	0	11	38	
		5	0	10	37	Tehsil : Rewari District : Rewari State : Haryana					
		6	0	12	14	1	2	3	4	5	6
		14	0	06	07	Bhudpur	116	16			
		15	0	06	07			21/2	0	00	25
		17/1	0	07	08			17			
		17/2	0	03	79			16	0	16	19
		23	0	01	26			25/1	0	00	85
		24	0	10	88			25/2	0	01	77
		21						24			
		1	0	00	51			5/2	0	05	56
		25						6/1/1	0	00	51
		3	0	10	88			6/2/2	0	00	09
		4	0	01	26			15/1/1	0	09	11
		8	0	12	14			15/2	0	02	28
		12	0	05	06			16	0	11	63
		13	0	07	08			17	0	00	76
		19	0	11	13			25			
		21/2	0	00	76			1/1	0	06	58
		22	0	11	13			10/2/1	0	08	85
		32						36			
		16	0	01	52	Pehrajwas	239	3/2	0	03	04
		25	0	06	58			49			
		33						9/1/1	0	02	53
		15/1/1	0	00	09	Tehsil : Jhajjar District : Rohtak State : Haryana					
		15/2/2	0	05	82	Koka	247	29			
		16/1/1	0	03	28			22	0	00	25
		16/2/2/1	0	04	04			15			
		17/1/1	0	01	26	Jhajjar	100	16/1	0	05	56
		17/1/2	0	06	32						
		17/2/1	0	03	04						
		17/2/2	0	02	28						
		18/1/1	0	02	28						
		18/1/2	0	01	01						
		18/2/1	0	10	12						
		18/2/2	0	00	06						
		19/1	0	04	81						
		19/2	0	05	56						
		20/1	0	01	52						
		21/2	0	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		25/1	0	03	29	Kakana Bhadri	57	31			
		25/2	0	08	35						
		16						20/2/1	0	07	34
								42			
		10/2	0	10	12						
		11	0	08	60			11	0	01	01
		20	0	04	55			43			
Garawar	106	66									
								15	0	10	12
		20	0	09	11			16	0	11	13
		21	0	02	78			25	0	11	13
		67						46			
		15	0	00	06			5	0	11	13
		16	0	01	01			6	0	11	13
		25	0	08	09			15/1	0	02	02
								15/2	0	06	06
								16	0	11	62
								24	0	01	52
								25/1	0	08	84
								25/2	0	00	05
								60			
		15/1	0	11	13						
Tehsil : Rohtak District : Rohtak State : Haryana								4	0	10	37
Ismayila	37	111						5	0	00	76
11 Biswa								7	0	11	63
		15/1	0	11	13			14/1	0	03	79
Pakasman	57	11						14/2	0	07	84
								91	0	01	01
		25/1/1	0	05	82			104	0	02	28
								231	0	02	02
Tehsil : Gohana District : Sonapat State : Haryana											
Bhainswal	68	86				Shamri Buran	53	39			
Kalan Mithan											
		3	0	03	28			20	0	11	38
		4/1	0	07	31			21	0	08	35
		4/2	0	02	02			22/1	0	00	25
		7/1	0	00	05			22/2	0	00	51
		8	0	12	90			46			
		12	0	05	06						
		13	0	08	09			1	0	01	77
		19	0	11	38			2	0	07	33
		21	0	06	58			9	0	11	13
		22	0	06	58			12	0	09	61
		108						19	0	02	02
								20	0	07	59
		1	0	11	38			21	0	12	14
		10	0	07	08			55			
		11/2	0	07	84						
		12	0	03	04			1	0	12	14
		19/1	0	05	06			10	0	10	38
		19/2	0	05	56			11	0	02	78
		22	0	11	10						
		116						56			
		1/1	0	00	05			6	0	00	25
		1/2	0	00	76			15/2	0	07	33
		2/1	0	09	60			16	0	13	66
		2/2	0	00	25			17	0	00	25
		166	0	02	77			24	0	12	15
		185	0	02	77			25	0	01	77
		291	0	00	76			133	0	04	05
		292	0	00	76			185	0	00	51
		293	0	00	76			189	0	02	53
		301	0	00	51			582	0	05	31
		1071	0	01	01			585	0	00	76
		1072	0	01	77			586	0	00	25



Tehsil : Panipat District Panipat State : Haryana				1	2	3	4	5	6
1	2	3	4	5	6	22	0	00	10
Untla	44	11				32			
		14	0	03	29	6	0	02	28
		16	0	06	58	15	0	10	88
		17	0	11	63	16/3	0	10	88
		24	0	11	63	25/1	0	06	32
		25	0	11	63	25/2	0	05	82
		13				25/3	0	00	25
		10	0	01	77	42			
		11	0	03	54	5/1	0	05	31
		20	0	00	10	5/2	0	02	28
		14				5/3	0	04	05
		3	0	02	53	13	0	02	53
		4	0	08	60	14/1	0	05	56
		5	0	10	88	17/2	0	03	54
		6	0	09	86	18	0	08	09
		7	0	01	01	23	0	01	26
		8	0	10	88	49			
		13	0	11	63	8	0	07	33
		15	0	07	84	13	0	11	13
		16/1	0	10	88	18	0	11	13
		18	0	11	38	23/1	0	05	06
		21/2	0	00	25	23/2	0	06	07
		22	0	03	29	62			
		23	0	03	79	3	0	10	62
		25	0	11	13	8	0	11	13
		27				13	0	11	13
		2/1	0	04	81	18	0	11	13
		2/2	9	04	05	23	0	11	13
		3	0	00	25	66			
		5/1	0	01	01	2	0	01	52
		5/2	0	03	29	3	0	09	61
		6/1	0	07	33	8	0	07	33
		6/2	0	03	79	9	0	04	05
		9	0	09	36	12	0	06	32
		11	0	00	51	13	0	04	81
		12	0	11	13	18	0	03	04
		15	0	11	13	19	0	08	35
		16	0	10	88	22	0	10	37
		17	0	00	10	23	0	00	76
		19	0	03	79	76			
		20	0	08	09	2	0	11	38
		21	0	11	63	9	0	03	79
		24	0	03	04	81	0	25	04
		25	0	08	09	82/2	0	22	51
		31				87	0	05	56
		1	0	11	13	92	0	01	52
		4	0	06	83	98	0	01	77
		5	0	03	79	258	0	03	79
		6	0	00	51	277	0	02	28
		7	0	11	13	306	0	00	51
		10	0	09	61	308	0	00	51
		11	0	01	01	312	0	00	51
		13	0	10	12	34			
		14	0	11	13	2	0	11	13
		18	0	04	30	9	0	11	13
		19	0	14	42	11	0	09	36
		20	0	01	01	12	0	05	06
		21	0	12	39	20	0	08	85
				Asan Khurd		22			

1	2	3	4	5	6
		35			
		16	0	06	07
		24	0	03	04
		25	0	12	14
		38			
		4	0	11	13
		7	0	03	29
		14	0	08	09
		77	0	09	36

[No. R-31015/32/93-OR I]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

का. प्रा. 825.—केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संस्थान की अधिसूचना सं. का. प्रा. 2428 तारीख 13 नवम्बर, 1993 द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनायें उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के धर्जन के अपने प्राण की घोषणा की थी:

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 23 नवम्बर 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सशम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न ग्रन्थसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः, अब केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा, (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न भूतल सूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रयोजन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रागे यह निवेश देनी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विलयनों से मरु, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :—

## अनुसूची

गांव का नाम	हवबस्त नं.	मुस्तलील नं. / किला नं	क्षेत्रफल	हैक्टर	गारे	सेटीगारे
1	2	3	4	5	6	
भदराणा	4	52				
		3/2	0	0	25	
	4		0	10	37	

1	2	3	4	5	6
जयराता—(जारी)		7	0	02	02
		8	0	11	03
		12	0	04	05
		13/1	0	09	86
		19	0	08	09
		22	0	01	01
प्रागपुरा	3	16			
		25	0	01	52
		17			
		12	0	00	76
		20/1	0	04	55
		20/2	0	06	83
		21	0	12	14
		18			
		1	0	00	51
		19			
		5	0	13	15
		6	0	07	08
		7	0	06	58
		13	0	00	25
		14	0	13	41
		17	0	02	02
		18	0	13	15
		22	0	02	53
		23	0	06	83
		25			
		15	0	01	52
		16	0	13	15
		24	0	06	58
		25/1	0	04	30
		25/2	0	01	52
		26			
		2/1	0	11	13
		2/2	0	01	52
		9/2	0	04	55
		10	0	09	11
		11/1	0	07	08
		11/2	0	05	06
		20/2	0	00	51
		28			
		4	0	02	28
सुलखा	2	1			
		25/2	0	01	26
		12			
		4/1	0	05	31
		5/1	0	03	0

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सुलखा—(जारी)	5/3		0	01	77		3/1		0	00	09
	7		0	13	41		9/1		0	00	25
	8		0	00	08		9/3		0	02	28
	13		0	10	88		10/2		0	07	08
	14		0	02	78		11/1		0	11	63
	18		0	10	88		11/2		0	01	26
	19		0	02	02		20		0	01	01
	22		0	13	41		21				
	23		0	00	09		3/3		0	00	00
	14						4		0	12	05
	6		0	01	26		5/1		0	00	05
	15		0	12	90		7		0	02	78
	16		0	07	59		8		0	10	88
	17		0	04	55		12		0	02	78
	23		0	00	25		13		0	10	88
	24		0	13	41		18		0	00	08
	15						19/1		0	08	60
	1/1		0	00	25		19/2		0	05	06
	1/2		0	08	09		21		0	07	59
	2		0	04	55		22		0	05	31
	10		0	12	39		29				
	11		0	00	76		5		0	01	01
	28						6		0	12	65
	3		0	11	38		14		0	05	06
	4		0	02	53		15		0	07	33
	8		0	10	37		17		0	13	41
	9		0	03	54		18		0	00	08
	12		0	12	90		23		0	10	88
	13		0	00	03		24		0	02	78
	19		0	02	28		30				
तहसील—रवाड़ी	जिला—रवाड़ी	राज्य—हरियाणा					1		0	12	65
गोलियाका	58	8					10		0	01	01
	6		0	03	29		34				
	7		0	05	31		2		0	02	78
	13/2		0	00	09		3		0	10	88
	14		0	13	41		8/2		0	00	08
	17		0	02	78		9		0	13	41
	18		0	10	88		11		0	08	09
	22		0	02	78		12		0	05	31
	23/1		0	00	51		20		0	12	65
	23/2		0	10	62		21		0	01	01
	16						35				
	15		0	01	01		16/2		0	00	25
	16		0	12	65		25		0	10	37
	24		0	05	06	भाड़ावास	145	11			
	25		0	08	09		21/2		0	01	26
	17						22/1		0	06	07
	2/1		0	01	77		22/2		0	05	82
	2/2/1		0	11	38		30				

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
माकवास	145	1/1/2 1/2 2/1 10/1 31	0 0 0 0	09 03 00 05	86 04 76 06	दानभालसपुर	140	6			
		6/1/2 15/1 17 23 24 26 37	0 0 0 0 0 0	03 10 08 01 11 06	54 88 35 52 89 07			12 13 19/1 21/2 22/2 12	0 0 0 0 0	08 00 09 05 03	85 51 36 82 79
		25 38	0	01	52			8 15 13	0 0	01 09	26 36
		2 3 4 8 9 11 12 13 19 20/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	00 12 00 07 04 00 13 00 03 09	25 90 51 08 30 03 41 51 54 86			1/1 1/2 10 11	0 0 0 0	04 06 11 01	55 58 13 01
		21 65	0	09	36	ढोढवालका	139	18			
		1 66	0	00	51			19 21/2 22/1 22/2 19	0 0 0 0	00 02 04 03	25 78 05 79
		5/1 5/2 5/3 6	0 0 0 0	05 06 00 05	82 83 25 06			1/1 1/2 10 20	0 0 0	01 11 06	77 38 32
								6 14 15 16 17 23 24 32	0 0 0 0 0 0 0	07 00 13 02 11 01 10	09 25 15 02 38 77 37
बंगली गोधा	141	4						15 16 23/2 24 25 33	0 0 0 0 0	00 15 03 14 00	51 18 04 67 51
		16/1 16/2 24 25 11	0 0 0 0	00 13 06 03	06 91 07 79			3 8 9 10 11 12 20 36	0 0 0 0 0 0 0	13 04 13 00 14 03 01	66 81 41 06 42 04 26
		4/1 4/2 7 8 13 18 19	0 0 0 0 0 0 0	01 11 07 04 13 04 08	01 13 33 55 41 55 09			3 3 0 12 39	0 0 0	12 12 39	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		4/1	0	00	02			17	0	01	01
		8	0	10	62			25	0	07	08
		9	0	00	76			40			
झालियाफी	133	1									
		24	0	03	54			1	0	12	90
		25	0	08	60			2	0	01	01
		8						9	0	12	90
		4	0	13	41			10	0	01	01
		5	0	00	02			12	0	06	58
		7	0	05	82			13	0	07	33
		8	0	06	32			17	0	01	26
		12	0	00	25			18/1	0	12	65
		13	0	13	41			24	0	12	90
		18	0	01	77			42			
		19	0	11	38			10	0	01	51
		22/1	0	02	92			11/1	0	03	54
		22/2	0	00	76			11/2	0	07	33
		30	0	01	01			19	0	00	02
हुसेनपुर	134	46						20/1	0	03	04
		10/1	0	01	01			22/2	0	03	29
		11/1	0	02	02			23	0	01	76
		11/2	0	14	92			43			
		12	0	00	25			4/2	0	06	07
		20/1/2	0	00	09			5	0	07	84
		20/2	0	01	28			6/1	0	11	12
		47						6/2	0	00	51
		15	0	00	31			13	0	00	51
		16	0	13	15			65			
पुष्पपुर	116	17						3	0	11	89
		16	0	07	33			7	0	07	84
		17/2/1	0	02	28			8/1	0	04	30
		24/2/2	0	06	58			14/2	0	08	85
		25/1	0	00	25			15	0	02	33
		24						16	0	03	79
		14/2	0	00	09			25	0	01	52
		17	0	12	39			66			
		18	0	00	51			21/2	0	06	58
		24	0	04	30			67			
सहस्राल—पानीपत	बिला—पानीपत	राज्य—हरियाणा						1	0	11	38
बालकृष्ण	11	21						2/1	0	02	53
		21	0	06	83			8	0	00	03
		22						9	0	10	61
		3	0	08	09			13	0	11	62
		7	0	06	33			18	0	08	35
		8	0	06	58						
		14	0	13	15						
		15	0	00	76						
		16	0	12	90						

[सं भार-31015/41/93ओभार-I]

कुलदीप सिंह, धवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 825.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2428, dated the 13th November, 1993, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 23rd November, 1993.

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited,--

## SCHEDULE

Tehsil : Bawal District : Rewari State : Haryana					
Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area		
			Hec- tare	Are	Centi- tiare
1	2	3	4	5	6
Bhadrana	4	52			
		3/2	0	00	25
		4	0	10	37
		7	0	02	02
		8	0	11	63
		12	0	04	05
		13/1	0	09	86
		19	0	08	09
		22	0	01	01
		16			
		25	0	01	52
		17			
		12	0	00	76
		20/1	0	04	55
Pragpura	3	20/2	0	06	83
		21	0	12	14
		18			
		1	0	00	51
		19			
		5	0	13	15
		6	0	07	08
		7	0	06	58
		13	0	00	25
		14	0	13	41
		17	0	02	02

1	2	3	4	5	6
		18	0	13	15
		22	0	02	53
		23	0	06	83
		25			
		15	0	01	52
		16	0	13	15
		24	0	06	58
		25/1	0	04	30
		25/2	0	01	52
		26			
		2/1	0	11	13
		2/2	0	01	52
		9/2	0	04	55
		10	0	09	11
		11/1	0	07	08
		11/2	0	05	06
		20/2	0	00	51
		28			
		4	0	02	28
Sulkha	2	1			
		25/2	0	01	26
		12			
		4/1	0	05	31
		5/1	0	03	04
		5/3	0	01	77
		7	0	13	41
		8	0	00	08
		13	0	10	88
		14	0	02	78
		18	0	10	88
		19	0	02	02
		22	0	13	41
		23	0	00	09
		14			
		6	0	01	26
		15	0	12	90
		16	0	07	59
		17	0	04	55
		23	0	00	25
		24	0	13	41
		15			
		1/1	0	00	25
		1/2	0	08	09
		2	0	04	55
		10	0	12	39
		11	0	00	76
		28			
		3	0	11	38
		4	0	02	53
		8	0	10	37
		9	0	03	54
		12	0	12	90
		13	0	00	03
		19	0	02	28

Tehsil Rewar	District Rewari	State Haryana
Goliaka	58	8
		6
		7
		13/2
		14
		17
		0
		03
		05
		00
		13
		02
		29
		31
		09
		41
		78

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Goliaka (Concl.d.)		18	0	10	88			22/1	0	06	07
		22	0	02	78			22/2	0	05	82
		23/1	0	00	51			30			
		23/2	0	10	62			—			
		16						1/1/2	0	09	86
		—						1/2	0	03	04
		15	0	01	01			2/1	0	00	76
		16	0	12	65			10/1	0	05	06
		24	0	05	06			31			
		25	0	08	09			—			
		17						6/1/2	0	03	54
		—						15/1	0	10	88
		2/1	0	01	77			17	0	08	35
		2/2/1	0	11	38			23	0	01	52
		3/1	0	00	09			24	0	11	89
		9/1	0	00	25			26	0	06	07
		9/3	0	02	28			37			
		10/2	0	07	08			—			
		11/1	0	11	63			25	0	01	52
		11/2	0	01	26			38			
		20	0	01	01			—			
		21						2	0	00	25
		—						3	0	12	90
		3/3	0	00	08			4	0	00	51
		4	0	12	65			8	0	07	08
		5/1	0	00	05			9	0	04	30
		7	0	02	78			11	0	00	03
		8	0	10	88			12	0	13	41
		12	0	02	78			13	0	00	51
		13	0	10	88			19	0	03	54
		18	0	00	08			20/1	0	09	86
		19/1	0	08	60			21	0	09	36
		19/2	0	05	06			65			
		21	0	07	59			—			
		22	0	05	31			1	0	00	51
		29						66			
		—						5/1	0	05	82
		5	0	01	01			5/2	0	06	83
		6	0	12	65			5/3	0	00	25
		14	0	05	06			6	0	05	06
		15	0	07	33	Nangli Godha	141	4			
		17	0	13	41			—			
		18	0	00	08			16/1	0	00	06
		23	0	10	88			16/2	0	13	91
		24	0	02	78			24	0	06	07
		30						25	0	03	79
		—						11			
		1	0	12	65			4/1	0	01	01
		10	0	01	01			4/2	0	11	13
		34						7	0	07	33
		—						8	0	04	55
		2	0	02	78			13	0	13	41
		3	0	10	88			18	0	04	55
		8/2	0	00	08			19	0	08	09
		9	0	13	41			6			
		11	0	08	09			—			
		12	0	05	31			12	0	08	85
		20	0	12	65			13	0	00	51
		21	0	01	01			19/1	0	09	36
		35						21/2	0	05	82
		—						22/2	0	03	79
		16/2	0	00	25			12			
		25	0	10	37			—			
		—						6	0	01	26
Bharawas	145	11									
		21/2	0	01	26						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		15	0	09	36			19	0	11	38
		13						22/1	0	02	02
		1/1	0	04	55			22/2	0	00	76
		1/2	0	06	58			30	0	01	01
		10	0	11	13	Hussainpur	134	46			
		11	0	01	01			10/1	0	01	01
Thothbalka	139	18						11/1	0	02	02
		19	0	00	25			11/2	0	14	92
		21/2	0	02	78			12	0	00	25
		22/1	0	04	05			20/1/2	0	00	09
		22/2	0	03	79			20/2	0	01	26
		19						47			
		1/1	0	01	77			15	0	00	51
		1/2	0	11	38			16	0	13	15
		10	0	06	32	Bhudpur	116	17			
		20						16	0	07	33
		6	0	07	08			17/2/1	0	02	28
		14	0	00	25			24/2/2	0	06	58
		15	0	13	15			25/1	0	00	25
		16	0	02	02			24			
		17	0	11	38			14/2	0	00	09
		23	0	01	77			17	0	12	39
		24	0	10	37			18	0	00	51
		32						24	0	04	30
		15	0	00	51						
		16	0	15	18						
		23/2	0	03	04				0	06	83
		24	0	14	67						
		25	0	00	51						
		33						3	0	08	09
		3	0	13	66			7	0	06	33
		8	0	04	81			8	0	06	58
		9	0	13	41			14	0	13	15
		10	0	00	06			15	0	00	76
		11	0	14	42			16	0	12	90
		12	0	03	04			17	0	01	01
		20	0	01	26			25	0	07	08
		36						40			
		3	0	12	39			1	0	12	90
		4/1	0	00	02			2	0	01	01
		8	0	10	62			9	0	12	90
		9	0	00	76			10	0	01	01
Dallaki	133	1						12	0	06	58
		24	0	03	54			13	0	07	33
		25	0	08	60			17	0	01	26
		8						18/1	0	12	65
		4	0	13	41			24	0	12	90
		5	0	00	02			42			
		7	0	05	82			10	0	01	51
		8	0	06	32			11/1	0	03	54
		12	0	00	25			11/2	0	07	33
		13	0	13	41			19	0	00	02
		18	0	01	77			20/1	0	03	04
								22/2	0	03	29
								23	0	01	76
								43			
								4/2	0	06	07

Tehsil—Panipat      District—Panipat      State—Haryana

Bal Jatan      11      21



1	2	3	4	5	6
		5	0	07	84
		6/1	0	11	12
		6/2	0	00	51
		15	0	00	51
		65			
		3	0	11	89
		7	0	07	84
		8/1	0	04	30
		14/2	0	08	85
		15	0	02	53
		16	0	03	79
		25	0	01	52
		66			
		21/2	0	06	58
		67			
		1	0	11	38
		2/1	0	02	53
		8	0	00	03
		9	0	10	61
		13	0	11	62
		18	0	08	35

[No. R-31015/41/93-OR-I]  
KUL DIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

कां० 826.— केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० 2265 तारीख 30 अक्टूबर 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पारंपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने प्राथम्य की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतिया जनता को तारीख 04 नवम्बर 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना है.

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी वित्तियों से मुक्त, उचित आय का उपयोग निमित्त में निहित होगा;

715 GI/94—5.

अनुसूची				
तहसील : भचाऊ	जिला : कच्छ	राज्य : गुजरात		
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल	हैक्टर	गैर
			आरे	मैटर
1	2	3	4	5
शिवलखा	702/1	00	25	66
	708	00	05	70
	699/2	00	05	70
	700	00	37	06
	695/1	00	18	53
	694/2	00	11	54
	689/2	00	42	87
	691	00	38	49

[सं० आर-31015/39/93-ओ०आर-1]

कुलदीप सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 826.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2265, dated 30th October 1993, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on 4th November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;—

#### SCHEDULE

Tehsil : Bhachau	District : Kachchh	State : Gujarat		
Name of village	Survey No.	Area		
		Hectare	Acre	Square Metre
1	2	3	4	5
Shivlakha	702/1	0	25	66
	708	0	05	70
	699/2	0	05	70
	700	0	37	06
	695/1	0	18	53
	694/2	0	11	54
	689/2	0	42	87
	691	0	38	49

[No. R-31015/39/93—O-R-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

कां० 827.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार (का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० 2266 तारीख, 30 अक्टूबर, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 04 नवम्बर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी मिल्लगमों से मुक्त, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा;

## अनुसूची

तहसील : बडगाम	जिला : बानासकांठा	राज्य : गुजरात
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल
		हेक्टर धारे वर्ग मीटर
1	2	3 4 5
तेनीवाडा	275	00 30 93
राजोशना	17	00 20 75
मजादार	340	00 02 18

[सं० आर-31015/39/93-ओ०आर-1]  
कुलदीप सिंह, धवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 827.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2266, dated 30th October 1993, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the said Gazette Notification

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of Sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the Schedule appended to this notification are hereby acquired.

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Vadgam	District : Banaskantha	State : Gujarat
Name of Village	Survey No.	Area
		Hectare Arc Square Metres
1	2	3 4 5
Tenivada	275	0 30 93
Rajoshana	17	0 20 75
Majadar	340	0 02 18

[No. R-31015/39/93-O.R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

कां० 828.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० 2267 तारीख, 30 अक्टूबर, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 04 नवम्बर 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों

में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विलगनों से मुक्त, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

कां०आ० 829.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० आ० 2268 तारीख 30 अक्टूबर, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से अपाबद्ध भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के धर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 04 नवम्बर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम अधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन किया जाना चाहिए;

धन: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, आगे यह निर्देश देती है कि उक्त शक्तियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विलगनों से मुक्त, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा :

#### अनुसूची

तहसील : सिधपुर	जिला : मेहसाणा	राज्य : गुजरात
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल
		हेक्टर घारे वर्ग मीटर
1	2	3 4 5
धुजानपुर	104/1	00 29 63
	105	00 14 02

[सं० प्रार-31015/39/93-ओ०प्रार-I]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 829.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2268, dated 30th October 1993, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to the notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

[No. R3-1015/39/93-OR-I]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

#### SCHEDULE

Tehsil : Santalpur District : Banaskantha State : Gujarat

Name of Village	Survey No.	Area
		Hectare Are Square Metre
1	2	3 4 5
Pursund	258	0 28 80

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 828.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2267, dated 30th October 1993, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 4th November, 1993;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of Sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired.

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on 4th November, 1993;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of Sub-section (1) of Section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the Schedule appended to this notification are hereby acquired.

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Sidhpur District : Mehsana State Gujarat

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Square Metre
1	2	3	4	5
Sujanpur	104/1	0	29	63
	105	0	14	02

[No. R-31015/39/93-ORI]

KULDIP SINGH, Under Secy.

गई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

कां०आ० 830.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां०आ० 2269 तारीख 30 अक्टूबर, 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना में उपाखंड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आग्रह की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 04 नवम्बर 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगे यह निर्णय देती है कि उक्त भूमियों

में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विलिंगों से मुक्त, इन्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

#### अनुसूची

तहसील : पासनपुर	जिला : बवासकांठा	राज्य	गुजरात	
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
कानोदर	301	00	02	18
पासनपुर	807	00	02	18
	838	00	02	18
	844	00	02	18
	753/1	00	02	18
कांठवा-बांदगढ़	62	00	02	18
	54/1	00	02	18
	53	00	02	18
	47			
		00	02	18
	1/2			
	39/1	00	02	18
जेथी	188	00	02	18
	95/12	00	03	41
रांगेली	21/6	00	01	90
	21	00	01	96
	1/2			
अमरवाव	14	00	02	18
धोलीया	199	00	02	18
	241	00	00	93
	243/1	00	01	90
धनपुरा	25	00	04	36
	18	00	01	24
खुणिया	14	00	02	10
	74	00	02	18
	76	00	01	29
	107	00	00	75
	81	00	02	18
अमोरगढ़	28/2	00	03	35
डुगरपुरा	7	00	04	36
	42	00	02	04
	43	00	02	04
	45	00	00	40
	47	00	01	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मिचलोबध	55/1	00	02	18		844	0	02	18
	55/2	00	02	18		753/1	0	02	18
आधल	265	00	02	18	Kotda-Chandgad	62	0	02	18
	238	00	02	18		54/1	0	02	18
	239	00	04	36		53	0	02	18
	225	00	04	36		47			
[सं० आर-31015/39/93-ओ०आर०-1]							0	02	18
कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव					Jethi	188	0	02	18
						95/12	0	03	41
					Sarotari	21/6	0	01	90
						21			
							0	01	96
						1/2			
					Jhanjharvav	14	0	02	18
					Dholia	199	0	02	18
						241	0	00	93
						243/1	0	01	90
					Dhanpura	25	0	04	36
						18	0	01	24
					Khuniya	14	0	02	10
						74	0	02	18
						76	0	01	29
						107	0	00	75
						81	0	02	18
					Amirgad	28/2	0	03	85
					Dungarpura	7	0	04	36
						42	0	02	04
						43	0	02	04
						45	0	00	40
						47	0	01	48
					Nichlobandh	55/1	0	02	18
						55/2	0	02	18
					Aval	265	0	02	18
						238	0	02	18
						239	0	04	36
						225	0	04	36

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 830.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2269 dated 30th October, 1993 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 4th November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Palanpur District Banaskantha State : Gujarat				
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Sq. Mts.
1	2	3	4	5
Kanodar	301	0	02	18
Palanpur	807	0	02	18
	838	0	02	18

[No. R-31015/39/93-O.R.I.]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

का. आ. 831—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिसे इसके पञ्चात् उसका अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या वा. आ. 2270 तारीख 30 अक्टूबर 1993 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उसका अधिसूचना से उपाख्य अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उसका राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 04 नवम्बर, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उसका अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अनुसरण में मन्त्र प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रायः यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी वित्तियनों से मुक्त, इंडियन प्रायस कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

#### अनुसूची

सहस्रील : राधनपुर	जिला : बनारसकांठा	राज्य : गुजरात		
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	घारे ०	वर्ग-मीटर
1	2	3	4	5
सातुन	234	00	00	73
	170	00	00	73
राधनपुर	276	00	24	24
	275/ए	00	28	51
	301/4	00	19	96
	283/ए और बी	00	18	53
	272 ए/8	00	19	96
	272ए/5	00	11	40
	272ए/6	00	35	64

[सं. धार.-31015/39/93—ओ. धार.-1]  
कुसुमी सिंह, अधिवक्ता सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 831.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2270 dated 30th October, 1993 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act.), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 4th November, 1993;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the

right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Radhanpur	District : Banaskantha	State : Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Square Metre
1	2	3	4	5
Satun	234	0	00	73
	170	0	00	73
Radhanpur	276	0	24	24
	275/A	0	28	51
	301/4	0	19	96
	283/A&B	0	18	53
	272A/8	0	19	96
	272A/5	0	11	40
	272A/6	0	35	64

[No. R-31015/39/93-O.R.-II  
KULDIP SINGH, Under Secy.]

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1994

का. धा. 832.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. धा. सं. 2029 तारीख 14-7-92 द्वारा केन्द्रीय ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मन्त्र प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्रायः, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों को उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अतः, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

और प्रायः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस निगम लि. में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

कोकारी टी बिन्दु से जूहेरा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। (नया)  
राज्य—गुजरात जिला और तालुका—अहमदाबाद

गांव	सर्वे सं.	हे.	घारे.	मेन्टी
1	2	3	4	5
एकोडीया	काई ट्रेक	0	02	50
	63	0	09	30

1	2	3	4	5
	62	0	03	50
	64	0	10	00
	61	0	02	00
	65	0	12	50
	66	0	09	20
	54	0	10	80
	55	0	04	80
	49	0	00	23
	कार्ट ट्रैक	0	05	80
	750	0	12	50
	कार्ट ट्रैक	0	02	55
	754	0	08	25
	753/1	0	10	25
	755	0	16	50
	756	0	02	55
	764	0	08	90
	763/1	0	02	60
	775	0	08	80
	774	0	14	55
	776	0	01	66
	777/1	0	09	65
	777/2	0	06	25
	778	0	03	08
	कार्ट ट्रैक	0	02	30
	780	0	04	25
	कार्ट ट्रैक	0	03	90
	665/1	0	04	92
	664	0	12	90
	662	0	13	20
	456	0	12	50
	455	0	00	10
	458	0	14	20
	460	0	18	40
	425	0	05	64
	462/1	0	12	90
	469	0	26	20
	473/1	0	01	30
	473/2	0	11	02
	471/1	0	01	30
	472	0	10	61
	486	0	14	70
	485	0	05	20
	487	0	05	00
	कार्ट ट्रैक	0	01	70

[सं. ओ.—12016/60/92-ओ एन जी डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th March, 1994

S.O. 832.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2029 dt. 14-7-92 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 5 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Co. Ltd. free from encumbrances.

#### SCHEDULE PIPELINE FROM CHOKARITO UNDERA (REVISED)

State : Gujarat District & Taluka : Vadodara				
Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Ankodiya	Cart track	0	02	50
	63	0	09	30
	62	0	03	50
	64	0	10	00
	61	0	02	00
	65	0	12	50
	66	0	09	20
	54	0	10	80
	55	0	04	80
	47	0	00	23
	Cart track	0	05	80
	750	0	12	50
	Cart track	0	02	55
	754	0	08	25
	753/1	0	10	25
	755	0	16	50
	756	0	02	55
	764	0	08	90
	763/1	0	02	60
	775	0	08	80
	774	0	14	55
	776	0	01	66
	777/1	0	09	65
	777/2	0	06	25
	778	0	03	08
	Cart track	0	02	30
	780	0	04	25
	Cart track	0	03	90
	665/1	0	04	92
	664	0	12	90
	662	0	13	20
	456	0	12	50
	455	0	00	10
	458	0	14	20
	460	0	18	40
	425	0	05	64
	462/1	0	12	90
	469	0	26	20
	473/1	0	01	30

1	2	3	4	5
	473/2	0	11	02
	471/1	0	01	30
	472	0	10	61
	486	0	14	70
	485	0	05	20
	487	0	05	00
	Cart track	0	01	70

[No. O—12016/60/92-ONG.D-IV]

Sd/-

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1994

का. घा. 833. —यतः पेट्रोलियम और खनिज पार्श्वपार्श्वी भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. घा. 1728 तारीख 27-6-92 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पार्श्वपार्श्वी भूमि के विधान के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों को उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्वपार्श्वी भूमि के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की अज्ञात क्षेत्र और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

ही जे ए पी मे रहैज जी जी एस तक पाठ्य साधन दिखाने के लिए।

राज्य:—गुजरात जिला:—भरुच तालुका:—शागरा,

शक्ति	वर्ग नं.	है.	घा. मं.
1	2	3	4
रहियार	698	0	11
	700	0	19
	701	0	11
	688	0	12
	683	0	35
	701	0	02
काट ट्रेक		0	02
	665	0	18
	291	0	01
	293/ए/बी	0	11
	292	0	06
काट ट्रेक		0	07
	13	0	05

1	2	3	4	5
	16	0	04	16
	18	0	10	40
	19	0	02	08
	20/बी	0	07	28
	23	0	01	69
	27	0	06	76
	26	0	05	20
	25	0	07	28
	113	0	04	68
	112/ए/बी	0	19	76
	111	0	12	48
	56/ए/बी	0	18	72
	109	0	02	34
	82	0	11	96
	83	0	17	68
	84	0	07	28
	85	0	04	16
	86	0	01	01
	87	0	01	07
	88	0	01	56
	89	0	03	12
	90	0	02	08
	91	0	01	88
	92	0	03	12
	94	0	01	56

[नं. ओ.—12016/37/92/ओ एस जी सी-IV]

एम मार्तिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th March, 1994

S.O. 833.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1728 dt. 27-6-92 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Co. Ltd. free from encumbrances.



**SCHEDULE**  
**PIPELINE FROM DJAP TO DAHEJ GGS**

State : Gujarat	District : Bharuch	Taluka : Vagra		
Village	Block No.	Hectare	Are	Centi-arc
1	2	3	4	5
RAHIYAD	698	0	11	44
	700	0	19	76
	701	0	11	44
	688	0	12	48
	683	0	35	36
	704	0	02	08
	Cart track	0	02	08
	665	0	18	72
	294	0	01	56
	293/A/B	0	11	44
	292	0	06	24
	Cart track	0	07	28
	13	0	05	20
	16	0	04	16
	18	0	10	40
	19	0	02	08
	20/P	0	07	28
	23	0	01	69
	27	0	06	76
	26	0	05	20
	25	0	07	28
	113	0	04	68
	112/A/B	0	19	76
	111	0	12	48
	56/A/B	0	18	72
	109	0	02	34
	82	0	11	96
	83	0	17	68
	84	0	07	28
	85	0	04	16
	86	0	01	04
	87	0	01	07
	88	0	01	56
	89	0	03	12
	90	0	02	08
	91	0	01	88
	92	0	03	12
	94	0	01	56

[No. O—12016/37/92/ONGD-IV]

M. MARTIN, Desk Officer.

नगर विकास महालय

(दिल्ली प्रभाग)

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

काआ 8.14—अ. 12 विस्तारित क्षेत्रों के बारे में तैनाय संशोधन, जिन्हें केन्द्र सरकार अधिसूचित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहद योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जो दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अन्वयार दिनांक 7-8-93 के नोटिस संख्या एफ 20(1)93-एफ. पी. द्वारा अधिसूचित किए गए थे जिसने उक्त अधिनियम की धारा 11क की उप-धारा (3) में यथा अधिसूचित आपत्तियों/मुद्दा, उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में आपत्ति किए गए थे।

715 GI/94- 6

और यतः प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कोई आपत्तियाँ/मुद्दा जनता से प्राप्त नहीं हुए हैं, यतः केन्द्र सरकार ने दिल्ली वृहद योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः, अब, केन्द्र सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 क की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त वृहद योजना में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन—

लगभग 4.00 हैक्टेयर (9.8 एकड़) क्षेत्रफल के भूमि उपयोग को, भौतिक उपग्रह ई-21 (कॉन्डली घरीली क्षेत्र) में पड़ता है और जो उत्तर और दक्षिण में "समोरचनात्मक क्षेत्र", पूर्व में दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा से, पश्चिम में 45 मी. चौड़े मार्गाधिकार (मुख्य योजना सड़क) से घिरा हुआ है, "समोरचनात्मक" से "सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक सुविधाओं" (सी. आर. पी. एफ. धारालयन) में परिवर्तित किया जाता है।

[संख्या के-13011/3/93—डी. पी. बी.]

एम. सी. सागर, अवर सचिव

**MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT**  
(Delhi Division)

New Delhi, the 9th March, 1994

S.O. 834.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(1)93-MP dated 7-8-93 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of Section 11 A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objection/suggestions were received from the public with regard to the said proposed modifications and whereas the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11, of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

**MODIFICATION**

"The land use of an area measuring about 4.00 ha. (9.8 acres) fall in subzone E-21 (Kondli Gharoli Area), bounded by 'Recreational area' in the North and South, Delhi U.P. Boundary in the East, and 45 mtrs. r/w (Master Plan Road) in the West, is changed from 'Recreational' to 'Public and semi-public facilities' (CRPF Battalions).

[No. K-13011/3/93-D.D. IB]  
S. C. SAGAR, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1994

का. आ. 835.—केन्द्रीय सरकार का, दिल्ली मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है/कोई सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति/सुझाव इस सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि के अन्दर निम्नित रूप में सापेक्ष एवं सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, बी ब्लॉक, आई. एन. ए., नई दिल्ली को भेज सकता है। आपत्ति करने/सुझाव देने वाला व्यक्ति अपना नाम व पता भी दे।

संशोधन:

योजना विविजन "ए" (विशेष क्षेत्र) में पूर्व में डा. सेन रोड, पश्चिम में हृदयाल सिंह पुस्तकालय और दक्षिण में गांधी मैदान के बीच पड़ने वाले लगभग 1165.06 वर्ग मीटर (1394 वर्ग गज) क्षेत्र के भूमि उपयोग को "समावेशजनक उपयोग" से "सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक उपयोग" (पुलिस स्टेशन) में बदले जाने का प्रस्ताव है।

2 प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए संयुक्त निदेशक के मुख्य योजना अनुभाग, विकास मीनार, 6ठी मंजिल, आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली स्थित कार्यालय में उक्त अवधि के अन्दर सभी कार्यदिवसों को उपलब्ध रहेगा।

[संख्या एफ-8(5)/87—एम. पी.]

विश्व मोहन बंसल, आयुक्त एवं सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd April, 1994

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd April, 1994

S.O. 835.—The following modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objections/suggestions with respect to the proposed modification may send the objections/suggestions in writing to the Commissioner-cum-Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A., New Delhi, within a period of 30 days from the date of this notice. The person making the objections/suggestions should also give his name and address:

MODIFICATIONS:

"The land use of an area, measuring 1165.56 sqm (1394 sq. yds.), falling in planning division 'A' (Special Area) between Dr. Sen Road in the East and Hardyal Singh Library in the West and Gandhi Maidan in the South, is proposed to be changed from 'recreational use to public and semi-public facilities' (police Station)."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Joint Director Master Plan Section, Vikas Minar, 6th floor, I. P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[No. F. 8(5)/87-MP]

V. M. BANSAL, Commissioner-cum-Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1994

का. आ. 836.—केन्द्र सरकार का दिल्ली की मुख्य योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा कोई सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा सुझाव इस सूचना के जारी होने की तारीख से ताम दिनों की अवधि के अन्दर सापेक्ष एवं सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, "बी" ब्लॉक, आई. एन. ए., नई दिल्ली को निम्नित रूप में भेज दें। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम एवं पता भी अवश्य देना चाहिए।

संशोधन:

"योजना विविजन "एफ" (दक्षिण दिल्ली I) में पड़ने वाले और पूर्व और उत्तर में मन-जल शोधन संयंत्र ओखला से, पश्चिम में 45 मीटर चौड़े मथुरा रोड से और दक्षिण में जिला पार्क से बिकरे लगभग 6.00 हेक्टेयर (15 एकड़) क्षेत्र के भूमि उपयोग को "उपयोगिता" (मन-जल शोधन संयंत्र) से "सार्वजनिक और अर्ध सार्वजनिक सुविधाओं" (अस्पताल) में बदलने का प्रस्ताव है।

2. प्रस्तावित संशोधन को दर्शाने वाला नक्शा निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के अन्दर सभी कार्य-दिवसों में उप निदेशक, मुख्य योजना अनुभाग, विकास मीनार, छठी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपलब्ध रहेगा।

[सं. —एफ. 13(2) 91—एम. पी.]

वी. एम. बंसल, आयुक्त एवं सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

S.O. 836.—The following modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objections/suggestions with respect to the proposed modification may send the objections/suggestions in writing to the Commissioner-cum-Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A., New Delhi, within a period of 30 days from the date of this notice. The person making the objections/suggestions should also give his name and address.

MODIFICATION:

"The land use of an area, measuring about 6.00 ha. (15 acres) falling in planning division 'F' (South Delhi I) bounded by Sewage Treatment Plant, Okhla in the East and North 45 mtrs. wide Mathura Road in the West and District park in the South, is proposed to be changed from 'utility' (sewerage treatment plant) to 'public and semi public facilities' (Hospital)."

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Deputy Director, Master Plan Section, Vikas Minar, 6th floor, IP Estate, New Delhi on all working days within the period referred to above.

[No. F. 13(2) 91-MP]

V. M. BANSAL Commissioner-cum-Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1994

का. आ. 837.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचना में, केन्द्रीय सरकार, यूनाइटेड इंडिया इन्डियन फॉर लि. के प्रबंधन के संयुक्त निरीक्षकों और उनके कर्मचारियों के बीच, तारीख में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-3-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन—17012/110/90-आई आर (बी-2)]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 8th March, 1994

S.O. 837.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of United India Insurance Co. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 7-3-1994.

[No. L-17012/110/90-IR(B-14)]

C. V. K. SHARMA, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

## PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947  
Reference No. 16 of 1991

## PARTIES :

Employers in relation to the management of United Insurance Co. Ltd and their workmen.

## APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. K. Verma, Advocate.

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Insurance.

Dated, Dhanbad, the 25th February, 1994

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-17012/110/90-I.R. (B-2), dated, the 11th December, 1990 :

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of United India Insurance Company Ltd., in terminating the services of Shri Rajendra Mochi is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The action of the management of United India Insurance Company Ltd. has been challenged in terminating the services of Shri Rajendra Mochi, the concerned workman.

3. The concerned workman claims to have been appointed as Sub-staff in the Insurance Company in Darbhanga branch since 18-1-1985. He has been performing the jobs like opening of office, sweeping of the office and other miscellaneous jobs. It is also stated that he worked continuously till April, 1986 and in this way he completed more than 240 days attendance in a calendar year.

4. The management terminated the services of the concerned workman without any rhyme or reasons although never committed any misconduct. It was submitted that the termination of services of the concerned workman tantamounts to retrenchment which was illegal for no compliance of the provision of Section 25F of the I.D. Act was made. It has been prayed to hold that the action of the management of United India Insurance Company in terminating the services of the concerned workman was not justified. It was prayed that the concerned workman be reinstated with full back wages.

5. The management denied each and every claim of the concerned workman and submitted that the concerned workman was never appointed in the establishment of United India Insurance Company, Darbhanga Branch on 18th January, 1985. He was never entrusted with any duty of opening and cleaning of the office premises as he was never on the pay roll of the management. It was incorrect to suggest that he completed 240 days service in continuation. Since the concerned workman was never appointed nor his name ever existed on the acquaintance roll of the management, there was no question of violation of the provision of Section 25F of the I.D. Act.

6. It was however submitted that the services of the concerned workman was hired from time to time on casual basis for work of water boy. It was also urged through the W.S. that the casual workers are only deployed on daily wage basis and no payment is made for recess or non-working days. In the circumstances it was submitted that the concerned workman is not entitled to any relief.

7. The question for consideration is as to whether the concerned workman is entitled for regularisation as sub-staff in the management of United India Insurance Co.

8. Admittedly the concerned workman was never issued any appointment letter nor he has got any paper to show that he was appointed as regular staff of the company. As per evidence of MW-1 Shri Ram Naresh Mishra, Asstt. Branch Manager, a branch was opened and duly notified at Darbhanga on 31-12-1984. That branch started functioning from January, 1985. Only a room of the building was taken by the management to run the office. The witness was alone to manage the whole affair without any sub-staff. He stated that one Shri R. B. Singh, sub-staff was transferred to Darbhanga branch from Assam (Gauhati) on 25-11-85. By making such statement the witness has made it clear that right from 1st January, 1985 till November, 1985 there was no sub-staff and so there must be someone to discharge the duties of sub-staff. The witness has admitted to the extent that he used to take work from the concerned workman as casual labour as and when required and that he paid by the sponsoring branch at Muzaffarpur. According to him the main work taken from the concerned workman was to get the board repaired and also to bring materials from the sponsoring branch at Muzaffarpur. He was paid @ Rs. 20 per day. The witness has also proved the cash register of Darbhanga branch running from 23-7-85 (Ext. M-1). I have perused the document which simply shows that on few date the concerned workman was paid in the capacity of water boy but no working days have been noted therein. Two registers have been marked Ext. M-1/1 and M-1/2. In these two registers payment to the concerned workman has been shown but I do not think that these two documents will be of any help to the management specially when the concerned workman is claiming continuous work right from January, 1985 to May, 1986. The witness further stated that after joining of sub-staff the branch did not require any staff to do casual work. The question is that the concerned workman worked as casual workman from January, 1985 to November, 1985 and on that ground he claimed to have worked for more than 240 days in a calendar year. In the very chief examination the witness has also stated that the concerned workman was required to store water also in summer season. The witness denied that the concerned workman worked regularly from 18-1-1985 to April, 1986. The very cross-examination of the witness will reveal something showing that the concerned workman had actually worked for sufficient days. The witness stated that he was maintaining record for the days employed by the concerned workman for sufficient days. The witness stated that he was about the days worked by the concerned workman for payment. He again stated that since no attendance was marked and so he did not maintain any attendance register. The witness also stated that all the workmen working in Muzaffarpur branch were paid through vouchers. He has proved the photo copy of the representation filed by the concerned workman where payment to him through vouchers have also been noted. It is Ext. W-1. It is no where been challenged that the concerned workman was never paid through voucher. The question is when vouchers were being maintained by the management the same ought to have been produced in the Court just to count the number of days worked by the concerned workman till January, 1985 to November, 1985. Non-production of the document will be an inference against the management.

9. The concerned workman has stated his claim and submitted that he was paid @ Rs. 10 in the beginning which was later raised to Rs. 15 from January, 1985 but it was not paid to him. He admitted to have been working as daily rated casual worker. However, he has denied to have been paid @ Rs. 20 per day. I have perused Ext. W-1 which is the letter addressed to the ALC(C) by the concerned workman stating his claim for employment in the

company. He has given out the voucher Nos and date & the amount paid to him also. The management should have at least produced those vouchers to show the days worked by the concerned workman. The question is if the concerned workman worked for 240 days then his claims for regularisation stands on better footing although there is nothing on the law that a man must be regularised after completing 240 days in a calendar. But he must be running continuous service after completion of 240 days of attendance and his claim for regularisation is to be considered sympathetically by the management. The workman has also claimed that he was not paid from January, 1986 to May, 1986 and in this connection a letter has been addressed to the Branch Manager, Darbhanga from head office Muzaffarpur. It is Ext. W-4 and Ext. W-5 is again a paper showing voucher Nos. dated and payment made to the concerned workmen. There is endorsement of the authority of the management to the effect that the concerned workman has been working as water boy at Darbhanga branch since January, 1985 and the payment of Rs. 2968 only was made from Muzaffarpur branch since Darbhanga was affiliated with Muzaffarpur for financial and other matters. The endorsement further speaks that Darbhanga was required to pay Rs. 448 only to the concerned workman towards ex gratia payment for 1985. I find that the concerned workman was paid that ex gratia payment through cheque. There is one another letter written by Shri C. Tiga, Director, Govt. of India, National Commission for Scheduled Caste and Scheduled Tribes to the Manager, United India Insurance Co. Head office Madras regarding the absorption of the concerned workman in the post of Sub-staff and payment of his salary for the month of January, 1986 to May, 1986. All these correspondence read together simply shows that the concerned workman has been working in Darbhanga branch office with all his devotion but after posting of a regular sub-staff he was stopped as claimed by him. He also worked till May, 1986 but he was not paid. We have no paper to show that there was any such due but definitely it is proved that he had been working at Darbhanga branch like sub-staff. As per evidence of MW-1 has also been serving water and bringing materials from the sponsoring branch office Muzaffarpur. I do not think that such work could be of casual nature. Serving water is regular feature specially in absence of regular sub-staff he was expected to have been doing all such work.

10. I have examined these aspects of the matter. Definitely the concerned workman was not appointed on regular basis but he served the department in absence of regular staff and the management in the circumstances of the case should be have like model employer. Apart from that the concerned workman is a member of Scheduled Caste community 'Mochi' by caste and in that view of the matter also he deserves favourable consideration by the management. In the circumstances, the management is directed to regularise the concerned workman as sub-staff/water boy but there can be no order as to back wages.

This is my Award.

B. RAM, Presiding Officer,

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

का. प्र. 838.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार, 'कैनरा बैंक के प्रबंधन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-3-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/97/91-आई प्रार (बी-2)]

बी. के. शर्मा, ई-क अधिकारी

New Delhi the 9th March, 1994

S.O. 838.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 8-3-94.

[No. L-12012/97/91-IR(B-II)]  
V. K. SHARMA, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated 28th day of February, 1994

PRESENT :

Sri M. B. Vishwanath, B.Sc., B.L., Presiding Officer  
Central Reference No. 68/91

I party V/s. II party.  
Sri Prasanna Keshavachar,  
Pigmy Collector,  
Temple Road,  
Nuggahalli-561171,  
Hassan District.

I party V/s. II party.  
The Chairman and Managing,  
Director,  
Canara Bank, Head Office,  
J. C. Road,  
Bangalore-560 002.

(By Sri B. D. Kuttappa, Advocate)

(By Sri T. R. K. Prasad, Advocate).

#### AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Govt. by its order No. L-12012/97/91-IR B.II Dt. 1-10-91 under Sec. 10(2A)(1)(d) of I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is :—

"Whether the action of the management of Canara Bank in terminating the services of Sri Prasanna Keshavachar, Pigmy Collector is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In the claim statement it is contended :—

The I party workman joined the service of the II party management in the year 1973. He joined service as pigmy collector and as a pigmy collector, he was supposed to go to the merchants and other customers in the outskirts of Nuggahalli branch of the II party bank where he was working and collect the tiny deposits which the customers used to deposit through him and before the close of the next day, he was depositing it in the II party bank. Initially when he started his career as a pigmy collector, the collection from the customers was very less and also there were very few depositors and on account of his hard and efficient work, he could attract more customers and at the time of his illegal termination he was attending to an average of about 30 customers a day. There were two schemes in the II party bank for the pigmy deposit holders; one is called NNND and the other one is called BKD. The I party is a workman as defined under the I.D. Act. His termination without applying the mandatory provisions of the act is illegal. The order of termination passed by the II party management has to be set aside and the I party has to be reinstated without consequential benefits.

3. In the counter statement among other things, it is contended, there is no relationship of employer and employee between the I party and the II party. The

relationship is that of Principal and Agent. The I party and II party have entered into an agency of contract dt. 16-2-84. The I party is not a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act. The I party agent had his own hours of work for collection of amount and the bank had no right to control the manner in which the I party agent had to work. It is clear from Clause 27 of the agreement dt. 16-2-84 (Ex. M.1) that the agent is not subject to the general discipline of the bank. The I party was only an agent. The order passed by the II party terminating the services of the I party as an agent is valid. This Tribunal has no jurisdiction to decide the matter since the I party is not a workman.

4. As could be seen from the order sheet dt. 11-6-92 it is stated that no separate issues are required and that all points like whether the I party is a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act would be considered at the time of final arguments.

5. On behalf of the management M.W.1 Keshavamurthy, who was working as Manager of Nugehalli branch in 1988 and M.W.2 K. B. Kulkarni who has been working as Manager since 1989 have been examined. On behalf of I party he has got himself examined and closed his case.

6. I have set out above in brief the pleadings of both the parties. It is contended by the I party that he is a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act. It is contended by the II party that the relationship between the I party and II party is that of principal and agent and that I party is not a workman as defined under I.D. Act.

7. This Tribunal gets jurisdiction to decide the matter on merits only if the Tribunal comes to the conclusion that the I party is a workman as defined under the I.D. Act. So I will proceed to give a finding on this point first.

8. The I party was appointed as a New Nitya Nidhi Deposit Collector (N.N.N.D.C.) as per the agreement entered into between him and the II party on 16-2-84 which is marked as Ex. M.1.

9. In Ex. M.1 it has been clearly mentioned that the jural relationship between the II party and the I party is one of Principal and Agent. It is clearly stated in Clause 27 of Ex. M.1 that the I party "agent is no way required to subject himself to the general discipline of the bank." Throughout Ex. M.1 the I party is described only as an agent.

10. The Bank examined M.W.1 Keshava Murthy who has clearly stated that the Bank had no control to guide the work of I party and the Bank had no power to take disciplinary action against I party.

11. It is clear from the evidence adduced and the material on record that the I party was not entitled to any promotion allowances, fixed salary and other benefits which regular employees of the Bank are entitled.

12. I party has stated in his evidence that if he did not go to collection he was engaging some other person for collection. He has stated that Bank was giving him only commission and that bank was not giving him anything as salary. The commission would be paid on the basis of the deposits collected by the I party. He has stated in his evidence that there was no fixed hours for him to go and collect deposits. He has stated that he was not marking attendance in the bank. He has stated that if he did not get deposits, he would not get any commission. He has further stated he could attend to other work of his alongwith the collection of deposits. He has further stated that bank was not supervising his work at the time of collecting the deposits, though he has volunteered to say that the bank was supervising at the time of remittance. The fact remains that the Bank was not supervising the work of collecting the deposits done by the I party.

13. The law laid down by the Punjab and Haryana High Court its like a glove to the facts of the present reference. It has been laid down by the Punjab and Haryana High Court in 1992 ISK (Banking) 615 (Smt. Avatar Saha v/s. Canara Bank) that there was only a jural relationship of Principal and Agent between the Bank and the deposit col-

lector and the deposit collector was not an employee of the bank nor was he a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act.

14. The Learned counsel for the I party set great store by the decision of the Madras High Court reported in 1990(1) Madras 50 (The Management of Indian Bank vis. The Presiding Officer and another). I have carefully and respectfully gone through this authority. This decision of the Madras High Court is clearly distinguishable on facts. From the facts of Madras High Court authority it is clear that the Tiay Deposit Agent had to do some clerical work like filling up relevant forms, ledgers, pass books etc. The bank could instruct the agent not to enrol new subscribers at any time. The agent could be "taken to task when any depositor closes account within a period of two years from the commencement thereon." There will be a reduction of the commission payable to the agent in that event. The agent had to inform the bank in advance if he was not in a position to make the collection himself. To repeat, the Madras High Court authority is clearly distinguishable on facts and it has no application to the facts of the present case. It is significant to note that the Learned Judge of the Punjab and Haryana High Court has observed that he had reservation about the view expressed by the Madras High Court.

15. In the absence of any ruling of our Hon'ble High Court or the Supreme Court, I respectfully follow the law laid down by the Punjab and Haryana High Court, even granting for a moment that the law laid down by the Madras High Court is applicable.

16. For the aforesaid reasons I am of opinion that the I party is not a workman as defined under Sec. 2(s) of the I.D. Act and this Tribunal has no jurisdiction to deal with the matter. Accordingly reference has to be rejected.

#### ORDER

The reference is rejected. Award passed rejecting the reference. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected) signed by me on this 28th day of February 1994).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

का. प्रा. 839.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक खाफ बरौदा के प्रबन्धन के संयुक्त नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई-1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-3-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/381/89-डी-2(ए)/आई. आर. (बी-2)]

बी. के. शर्मा, बैंक अधिकारी

New Delhi, the 9th March, 1994

S.O. 839.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 8-3-1994.

[No. L-12012/381/89-D.II (A)/IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Presiding Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhar, Presiding Officer.  
Reference No. CGIT-14 of 1990

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Bank of Baroda

AND

Their workmen.

## APPEARANCES :

For the Management—Shri D'Souza, Advocate.

For the Workmen—Shri Dame, Representative.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra  
Bombay, the 17th day of February, 1994

## AWARD

The following reference has been made to this Tribunal by Government of India, Ministry of Labour, New Delhi dated 12th February, 1990.

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in imposing the punishment of stoppage of two increments on Shri V. K. Dalvi, Subordinate staff is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Notices of this were sent to the Chief Manager, Bank of Baroda and Organising Secretary, Bank of Baroda Employees' Union, Statement of claim and written statement thereto have been filed.

3. My learned predecessor Mr. Justice Khatri at an earlier stage rejected reference for want of prosecution holding that the workman had failed to prove that the impugned order was unjustified. That was on 23rd April 1991. Subsequently, he restored the reference to file by passing an order in Misc. Application No. 5 of 1991. The matter, thereafter, came to be adjourned for hearing on several occasions. Ultimately, when it came up before me for hearing on 15-2-1994, the Organising Secretary of the union Shri Deepraj Damey presented before me an application stating that union does not want to press the adjudication of this dispute. The said statement is signed by Milind Nandkarni, General Secretary and presented by Mr. Deepraj Damey, Organising Secretary. In view of this, it is not necessary to examine the rival contentions and material produced and adjudicate upon it. Reference disposal off and award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1994

का. प्र. 840.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धन के संरक्षित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, बड़ोदरा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-3-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/159/92-आईआर (बी.-2)]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी,

New Delhi, the 9th March, 1994

S.O. 8-10.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Vadodara as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen which was received by the Central Government on 8-3-1994.

[No. L-12012/159/92-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI A. B. MARATHE, INDUSTRIAL TRIBUNAL, VADODARA

Reference (I.T.C.) No. 6/92

Manager,

Punjab National Bank,  
Rander-Adjan Junction, Surat ... First Party.

V/s

Workman Shri I. D. Patel working in the first Party Bank, C/o General Secretary Shri R. P. Shrimali, The Punjab National Bank Employees' Association, Atma Jyoti Ashram Road, Vadodara-7 ... Second Party.

Shri R. P. Shrimali—General Secretary for and on behalf of Second Party Union.

Shri K. E. Surendir Nath—for First Party Bank.

## AWARD

1. Punjab National Bank is a Government of India undertaking. One Shri I. D. Patel was a workman employed in the first party Bank at the relevant time. He was committee member of the All India Working Committee of the National Organisation of Bank Workers. He was also member of The Punjab National Bank Employees' Association which is affiliated to the said National Organisation of Bank Workers. Under first Bi-partite Settlement dated 9-11-1966 he claims to be entitled to special leave upto 17 days in a calendar year to enable him to attend meetings and conferences of trade unions. But this leave was refused to him by the Bank on 14-3-91. Therefore, an industrial dispute was raised. But as the conciliation failed, the Ministry of Labour, Government of India by order No. L-12012/159/92-IR (B-II) dated 31-8-92 referred the following issue for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Punjab National Bank through the Assistant General Manager, Ahmedabad, in withdrawing the facility of Special Leave to Central Committee Member Shri I. D. Patel of NOBW, upto 17 days in a calendar year is justified and legal? If not, to what facility is Shri I. D. Patel entitled for and what directions are necessary in the matter?"

2. The Union filed their statement of claim at Ex. 3. They rely upon para 13.39 of First Bipartite Settlement dated 2-11-1966 to enjoy the privilege of 17 days' special leave in a calendar year to attend meetings and conference of Union.

3. The first party Bank filed their written statement at Ex. 4. They raised a preliminary objection that this dispute has not been properly espoused. They also contended that Indian Banks Association was a necessary party and in their absence a valid adjudication could not be done. But both these preliminary objections have been turned down by this Tribunal by its order dated 6-12-1993 on Ex. 5 and it is not necessary to consider them over again.

4. The real bone of contention raised by the Bank is that the Cl. 13.39 of the first Bipartite Settlement has been amended by settlement dated 29-6-90 and it is now provided that the facility of special leave would be extended only to the members of AIBEA, NCBF and INBEF and, therefore, members of NOEW are not entitled to the same.

5. Both the parties produced documentary evidence. The Union produced pursis Ex. 9 and the Bank produced pursis Ex. 10 declaring that they do not want to lead any oral evidence. The Bank have produced their written arguments at Ex. 11. I have heard the oral arguments of Shri R. P. Shrimali, the General Secretary of the Union.

6. The Bank pointed out in the written arguments that initially NOBW was not a party of the first Bi-partite Settlement. The settlement was dated 19-10-1966 and only subsequently the NOBW adopted the same on 9-11-1966. It was only after this adoption that the facility

of special leave was extended to the members of the NOBW. The Bank further pointed out in the written arguments that thereafter various other settlement were arrived at between the Indian Banks Association representing all its member Banks and various confederation of Trade Unions from time to time including the settlement with the said NOBW in 1979. It was said that when the negotiations started between the IBA and the various confederations of Trade Unions in 1983 before arriving at the settlement, the NOBW, stated to be the parent organisation of the second party, immediately withdrew from the negotiations on the issue of computerisation and mechanisation, adopted a non-conciliatory attitude and refused to participate in negotiations. However, ultimately the Indian Banks Association arrived at a settlement with AIBEA, NCBE and separately with INBEC, which is another confederation of Trade Unions. The said settlement is known as IIIrd Bipartite Settlement. The Bank further pointed out that after the IIIrd bipartite settlement the concession of special leave to the members of NOBW was withdrawn as they were not signatory to the said amending settlement. Therefore, in the submission of the Bank, no relief can be granted to the Union.

7. In this connection it would be worthwhile to refer to the relevant provision of Section 9-A of the I. D. Act which deals with the procedure for effecting 'change' :—

"9-A. Notice of Change—No employer, who proposes to effect any change in the conditions of service applicable to any workmen in respect of any matter specified in the Fourth Schedule, shall effect such change—

(a) without giving to the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner of the nature of the change proposed to be effected; or

(b) within twenty-one days of giving such notice :

Provided that no notice shall be required for effecting any such change—

(a) where the change is effected in pursuance of any settlement or award; or

(b) .... .. omitted as not relevant".

In Fourth Schedule to the I.D. Act clauses (5) and (8) mention "Leave with wages and holidays" and "withdrawal of any customary concession or privilege or change in usage". In the present case the members of the NOBW had been employing the privilege of special leave from the time they adopted the first Bipartite Settlement in 1966. The same was withdrawn in 1990 by another settlement. According to the Bank, NOBW was not a party to the said second settlement because they had withdrawn from the negotiations on the question of computerisation and mechanisation. But this plea finds its place only in the written arguments and not in the written statement. The Bank has declared that they do not want to lead any oral evidence. That means their plea that the Union withdrew unilaterally from the negotiations, is not supported by any evidence oral or documentary. In these circumstances if the Bank is not able to show that notice was served on the second party before withdrawing the privilege of special leave, the impugned action of the Bank in denying special leave to Shri I. D. Patel to enable him to attend meetings and conferences of the Union would be null and void. The reference will have to therefore answered in favour of the Union and against the Bank. Therefore, the following order is passed :—

#### ORDER

It is declared that the action of the first party Bank in denying special leave to central committee members of NOBW upto 17 days in a calendar year to enable them to attend meetings and conferences of Unions is illegal. The first party Bank is directed not to deny such special leave in future without following the procedure mentioned in Section 9-A of the Industrial Disputes Act.

Dated : 7-2-1994.

A. B. MARATHI, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 15 मार्च 1994

का. प्र. 841.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, टाटा इस्पात एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-3-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल.—20012/255/90—प्राई वार (कोल-I)]

मं. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th March, 1994

S.O. 841.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad shown in the Annexure in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Tata Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen which was received by the Central Government on 9-3-1994.

[No. L-20012/255/90-IR (Coal-I)]  
C. GANGADHARAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BFFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(I)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 98 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Tisco and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Advocate

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 3rd March, 1994

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(I)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/255/90-I.R. (Coal-I), dated, the 11th February, 1991.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of TISCO Ltd., Jamadoba in not promoting S/Shri Parasnath, S. P. Shukla, Ram Chandra Singh and J. N. Tiwary to the post of sub-inspectors is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. As per schedule of reference the action of the management of Tisco. Ltd., Jamadoba has been challenged in not promoting Shri Parasnath, S. P. Shukla, Ram Chandra Singh and J. N. Tewary to the post of Sub-Inspectors.

3. It was submitted that Shri Parasnath has been designated as Nayak while 3 others are Security Guard. The concerned workmen who are ex-servicemen have been working in the management of Tisco on permanent post for the last several years ranging from 16 to 21 years. A good number of security personnel including the concerned workmen, in pursuance of the notification dated 21-1-88 (M-2), applied for selection to the post of sub-inspector their qualification, age and experience. But as stated by the union,

they were deliberately and with ulterior motive deprived of their rightful claim. Shri Parasnath alone was asked to appear in the written test on 12-9-88. He was also interviewed on the same day but in spite of securing good marks in the written examination his case was not considered for selection to the post of Sub-Inspector.

4. It was stated that no letter either for written test or interview was issued to Shri Ram Chandra Singh on account of mischief done by the official.

5. Shri J. N. Tewary and S. P. Shukla were not issued any letter for written test because of sheer mischief and ill will of Shri U. P. Singh, CSO and other officers. It was submitted through the W.S. of the workmen that the concerned workmen were possessing all the requisite qualification and experience but they were debarred and the candidates namely Mohit Lal Paul, Rajgirhi Singh, Ram Saheb Singh, Baleswar Singh and Sachindanand Singh, all having less and inferior merits were selected illegally and arbitrarily. But the merit of the concerned workmen was completely ignored. It was also stated that long before advertisement the concerned workmen had held meeting and staged demonstration on 30-9-87 before the Officer of the Director of Collieries and had submitted 19 point charter of demands. As alleged a chargesheet was issued against one Shri Baban Pandey in which Shri S. P. Shukla and J. N. Tewary had appeared as defence witness and therefore the management was biased from before. In this way it was submitted that the claim of the concerned workmen were rejected on false and frivolous ground. They have prayed for passing an order setting aside the results and findings of the interview board and also for direction to the management to appoint the concerned workmen to the post of Sub-Inspector with retrospective effect.

6. The management denied each and every claim of the concerned workman and submitted a separate W. S. Admittedly, Shri Prasnath was working as Nayak while rest were working as Security guards. The management invited applications for the post of Sub-Inspector vide Notification dated 21-1-88. In the notification itself the experience and qualifications, were stipulated. It was also submitted that the concerned workman and others applied for the post of Sub-Inspector and those applications were considered by the management. It was stated that the post of Sub-Inspector was not being filled upon the basis of promotion rather it was being filled up on the basis of selection and for the purpose of selection candidates were required to appear in the written and interview test. The candidates were selected on the basis of their performance in the written test and interview. It was further urged that at time of considering the case the past conduct of different workmen were also taken into consideration and the workmen maintaining excellent record of service were selected in the preference to the workmen having poor record of past services. It was not a case of promotion as per seniority rather selections were to be made on the basis of merit.

7. Shri Prasnath one of the concerned workman appeared in the interview but he was not recommended for the post of Sub-Inspector by the Selection Board and as such he was not appointed as Sub-Inspector.

8. Shri S. P. Shukla was not called for interview initially on the ground that he had not completed 10 years of satisfactory experience under the management. Subsequently it was detected that wrong date of appointment was submitted before the selection board which was on account of clerical mistake. Later on it could be revealed that his date of engagement was 21-1-77 and after detection of such mistake the management offered to consider his case

afresh and accordingly a new letter dt. 16-6-90 was issued to him for his written test to be held on 20-6-90 but Shri Shukla did not appear in the written test. Therefore his case for selection to the post of Sub-Inspector was not considered.

9. Shri Ram Chandra Singh was also called for written test and interview to be held on 12-9-88 by a letter dt. 3-9-88. It is stated that the letter was served upon him on 10-9-88 but he refused to receive the same. Secondly he did not appear in the written test and interview and as a result whereof his case could not be considered for selection to the post of Sub-Inspector.

10. Shri J. N. Tewary was also one of the applicant in pursuance of aforesaid notification but his past conduct was found to be bad and that why he was not called for written test and interview.

11. The selection board considered all the relevant facts and circumstances and selected the required number of personnel to fill up the vacancies on the post of Sub-Inspector. In the process the concerned workmen could not be selected for the reasons stated above. It was contended that the action of the management in not selecting the concerned workmen as Sub-Inspector was legal, bonafide and just and the concerned workmen are not entitled to any relief.

12. The point for consideration would be as to whether the concerned workmen are entitled for their appointment to the post of Sub-Inspector with retrospective effect?

13. Before examining individual cases of the concerned workmen I would like to state few facts about the advertisement notice dt. 2-1-88 (Ext. M-2). The applications were invited from the Security personnels for the post of Sub-Inspectors. The security personnels consisting of Havaldar, Nayaks and security guards as indicated under Ext. M-4, the interview letter. Again the post of Nayak is superior to the post of Security guards and the post of Havaldar is superior to the post of Nayak. Therefore necessary qualification and experiences were given out for selection to the post of Sub-Inspector. For matriculate security personnel five years satisfactory services in the security department was necessary for consideration for selection to the post of Sub-Inspector provided he had working experience in the armed force, Airforce, Navy and C.R.P.F. For non-matriculate ten years of service in Tisco were required. Similarly for Nayak the required experience was for 7 years and 5 years for Havaldar. It may be mentioned that all the concerned workmen were security guards except Shri Parasnath. The applications of the concerned workmen have been marked Ext. M-3 series. From their applications it appears that Shri Parasnath and Ram Chandra Singh were matriculate. Shri J. N. Tewary was Intermediate while Shri S. P. Shukla was non-matric. Now let us examine the individual case of the concerned workmen. First of all I take up the case of Shri J. N. Tewary. Admittedly he was not called for interview or the written test. From the perusal of this service particulars (Ext. M-3[1]) it appears that he had required experience of working in Tisco. But during his tenure of service he was suspended for 5 days. It was rightly canvassed for Security Guard to be selected for the post of Sub-Inspector superseding Nayak and Havaldar must possess spotless and



flawless service record. It was submitted that on account of this stigma Shri Tewary could not be called for written test and the interview I think the reason assigned was not without merit.

14. As regards Shri S. P. Shukla it was stated that on account of clerical oversight his date of appointment was shown as 24-8-79. It was thought that he had completed 10 years of service on 6-2-88 the date when applications were to reach in the office of the Chief Personnel Manager (J). But this mistake was subsequently detected and it was found that his real date of engagement was 21-1-77. After the defect was pointed out the management as contended in para-10 of the W. S. of the management, offered to consider his case afresh and accordingly he was advised by a letter dt. 16-6-90 to appear for the written test on 20-6-90 at 2.30 P.M. in the office of the Divisional Manager (O) Jamadoba. It was submitted that Shri Shukla did not appear. Ext. M-5 is the interview letter. Ext. M-5/1 is the office copy of Ext. M-5. M-5/3 is the endorsement showing the receipt of interview letter by Shri Shukla himself on 18-6-90. He was to appear in the interview on 20-6-90. It has been suggested to MW-4 Sri U. P. Singh, Dy. Divisional Manager, Security that Ext. M-5/1 was manufactured paper and it was never served upon Shri Shukla. However, the suggestion has been denied. Prima facie I find no reason to disbelieve the endorsement (Ext. M-5/3). There is no specific suggestion that Ext. M-5/3 does not bear the signature of Shri Shukla. Again WW-1 Shri Ram Chandra Singh also stated in his evidence that Shri Shukla was called for interview. When Shri Shukla did not appear for written test there was no question of any consideration for his selection to the post of Sub-Inspector. I find force in the contention of the learned counsel for the management.

15. Accordingly to the management Shri Ram Chandra Singh refused to accept the notice dt. 3-9-88 (Ext. M-4) and did not appear in the interview. However, Shri Singh while deposing as WW-1 stated that no letter was served upon him through Peon Book. On this point the management has examined three witnesses. MW-1 Shri Abu Md. Khan, the security Havaladar has stated that he had carried the letter for service upon Shri Ram Chandra Singh but he refused to acknowledge the receipt and also stated that he would not attend the interview. He got endorsement to this effect made by one Shri Paresh Upadhyaya on the Peon Book and then he put his own signature. The endorsement plus the signature has been marked Ext. M-1/1. This fact has been testified and fully supported by MW-3 Shri Paresh Nath Upadhyaya. It may be mentioned here that the entry at page 8 of the Peon Book has been marked Ext. M-1. Shri Paresh Nath Upadhyaya stated that Abu Md. Khan came to him and reported that Shri Ram Chandra Singh refused to receive the letter. The witness stated that he made endorsement to this effect in his Pen and then Abu Md. Khan has signed. MW-2 Shri A. K. Singh has been working as Senior Security Officer. The Security guards and Havaladar work under him. He also testified that interview letter was sent to Shri Ram Chandra Singh through peon book and Havaladar Abu Md. Khan had carried that letter for service. The witness stated that the carrier Abu Md. Khan reported to him that

Shri Singh refused to receive letter. The witness being the immediate officer asked Shri Singh on the following day to which he (Shri Singh) had replied that the management of Tisco would not make him Sub-Inspector and therefore he would not participate in the interview. The witness in cross-examination stated that refusal of notice by an employee comes within the purview of misconduct. Shri Ram Chandra Singh, WW-1 has stated that he was not issued any show cause or the chargesheet. I think refusal of notice may be a misconduct but that was not very serious which could have been taken notice of by the management. Again it is not always necessary to take action for each and every minor misconduct. Specially in petty nature of misconduct the management may ignore it. Particularly in case of Ram Chandra Singh misconduct was against the pecuniary benefit of workman himself. I have perused the evidence of these witness and prima facie noting has been shown to disbelieve their credence. Thus I am to hold that interview letter was sent to Shri Ram Chandra for service but he refused to receive it.

16. Now coming to the case of Shri Parasnath I find that he had appeared in the written test and interview. He secured highest marks in the written test as is evident from Ext. M-8 which is the photo copy of the proceeding of the D. P. C. Out of 53 only 37 candidates appeared in the written test and interview. The highest marks obtained by Shri Parasnath in his written examination virtually dispels alleged as person of vindictiveness on the part of the selection committee against the concerned workman.

17. MW-4 Shri U. P. Singh was one of the member of the selection committee. He stated that selection of candidates was strictly made in accordance with the circular Ext. M-2. He also stated that 60 out of 100 was qualifying marks. Shri Parasnath according to him, secured only 56 out of 100 and so he was not selected. The witness has denied to have disqualified the concerned workman out of any malice or the prejudice. I have perused Ext. M-3 which is the photo copy of application of Shri Parasnath. He had an occasion to serve in the security department of Tisco for about 17 years. During this period he also served as Nayak for about 6 years. Apart from that he was ex-constable of C. R. P. F. He was never involved in any criminal case nor any disciplinary proceeding was ever initiated against him. I feel the appointment committee should have taken a considerate view of the matter in case of Shri Parasnath and specially when he secured highest marks in the written test. I feel on other counts like personality test, experience etc. he deserved some better marking. However, this does not mean that less marking was done out of any grudge or malice. Just possible the candidate would not have impressed the members very much for he did not turn up in uniform. For these reasons I am to hold that Shri Parasnath was a deserving candidate and he should be provided with the post of Sub-Inspector.

18. The union has tried to show that several candidates like Mohitlal Pal, Rajgirhi Singh, Ram Sabad Singh and others were selected although they had no qualification and experience. In my view

that cannot be a criteria for selection of the concerned workman to the post of Sub-Inspector. The question is whether the concerned workmen were holding requisite qualification and experience and they were declared unfit on account of any ill will or biased attitude. I prima facie find no satisfactory evidence to infer that the members of the selection committee were prejudiced against the concerned workmen. As held above the concerned workmen namely Shri S. P. Sukla and Shri Ram Chandra Singh cannot have any such grievance for they did not appear in the written test and interview inspite of notice sent to them. I have already discussed the case of Shri J. N. Tewary who had a stigma in his service carrier. No evidence has been led to show that Mohit Lal Pal and others had also bad record of service and even then they were called for interview and selected for the post. For these reasons I am to hold that the concerned workmen except Shri Parasnath are not entitled to the relief claimed by them.

19. I have considered various aspect of the matter and examined the case of individual concerned workman. As held above the concerned workmen namely Shri J. N. Tewary, Shri S. P. Sukla and Shri Ram Chandra Singh have got no claim. The management is directed to post Shri Parasnath as Sub-Inspector within two months from the date of publication of the Award.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1994

का.प्रा. 842.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2074 दिनांक 14 सितम्बर, 1993 द्वारा जिंक खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 सितम्बर, 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 मार्च, 1994 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/85-डी-1 (ए) (I)]

एस.एस. पराशर, अवसर सचिव

New Delhi, the 15th March, 1994

S.O. 842.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2

of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2074 dated 14th September, 1993, the Zinc Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 14th September, 1993;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 14th March, 1994.

[No. S-11017/9/85-D.I(A) (I)]  
S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1994

का.प्रा. 843.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2075 दिनांक 14 सितम्बर, 1993 द्वारा जींशा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 सितम्बर, 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 मार्च, 1994 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/85-डी-1 (ए) (II)]

एस.एस. पराशर, अवसर सचिव

New Delhi, the 15th March, 1994

S.O. 843.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2075 dt. the 14th September, 1993 the Lead Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 14th September, 1993;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 14th March, 1994.

[No. S-11017/9/85-D.I(A)(ii)]  
S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1994

का.आ. 844—केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2021 दिनांक 3 सितम्बर, 1993 द्वारा बैंकिंग कम्पनी द्वारा चलाया जाता है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 सितम्बर, 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 मार्च, 1994 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/2/85-डी-1 (ए)]

एस.एस. पराशर, अवर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1994

S.O. 844.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2021 dated the 3rd September, 1993 the Banking Industry carried on by a Banking Company as defined in clause (bb) of section 2 of the said Act to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 19th September, 1993;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 19th March, 1994.

[No. S-11017/2/85-D.I(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1994

का.आ. 845—केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2243 दिनांक 30 सितम्बर, 1993 द्वारा यूरेनियम उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 अक्टूबर, 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 अप्रैल, 1994 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा.सं. एस-11017/10/85-डी-1(ए)]

एस.एस. पराशर, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd March, 1994

S.O. 845.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2243 dated 30th September, 1993, the Uranium Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 30th October, 1993;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 30th April, 1994.

[No. S-11017/10/85-D.I(A)]  
S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1994

का.आ. 846—जबकि मैसर्स इंडियन आयन कॉर्पोरेशन (विपणन विभाग), 254-सी, एनी वास्त रोड, बरली, बम्बई (इसके आगे यह प्रतिष्ठान के रूप में संदर्भित है) कर्मचारियों के भविष्य निधि योजना, 1952 (1952 की 19) (इसके आगे इसे योजना के रूप में संदर्भित किया गया है) के अनुच्छेद 27-क के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की राय है कि अंगरान की दर के संबंध में प्रतिष्ठान के भविष्य निधि नियम कर्मचारियों के प्रति, उक्त अधिनियम के खंड (6) में विनिर्दिष्ट कर्मचारियों से कम अनुकूल नहीं हैं व कर्मचारियों को भविष्य निधि के अन्य लाभ भी मुलम हैं जो समग्र रूप से कर्मचारियों के प्रति, उक्त अधिनियम का कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (इसके बाद इसे योजना के रूप में संदर्भित किया गया है) के अन्तर्गत इसी प्रकार के किसी अन्य प्रतिष्ठान के कर्मचारियों को प्राप्त लाभों में, कम अनुकूल नहीं है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त योजना के अनुच्छेद 27-क के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के आधार पर एतद्वारा उक्त प्रतिष्ठान के नियमित कर्मचारियों को उक्त योजना के सभी अवयवों के प्रवर्तन से छूट प्रदान करती है।

## अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोजता, उक्त अधिनियम की क.भ.नि. योजना, 1952 के पैरा 27क के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देश के अनुसार निरीक्षण के लिये सुविधायें प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के भीतर करेगा।

2. इस प्रतिष्ठान की भविष्य निधि नियमावली के प्रवर्तन देय अंशदान की दर किसी गैर छूट प्राप्त प्रतिष्ठान के संबंध में उक्त अधिनियम और इसके अन्तर्गत बनायी गयी योजना के अन्तर्गत देय दर से कम नहीं होगा।

3. अधिम के संबंध में, छूट प्राप्त प्रतिष्ठान की योजना कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 से कम लाभदायक नहीं होनी चाहिये।

4. उक्त योजना में कोई भी संशोधन, जो प्रतिष्ठान के विद्यमान योजना की तुलना में कर्मचारियों के लिये ज्यादा लाभदायक है, स्वतः ही प्रतिष्ठान पर लागू हो जायेगी। उक्त प्रतिष्ठान के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्ण स्वीकृति के बिना नहीं किया जायेगा तथा जब किसी संशोधन के द्वारा उक्त प्रतिष्ठान के कर्मचारियों के हितों के प्रभावित होने की संभावना हो, स्वीकृति देने के पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कर्मचारियों को अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का समुचित समय देगा।

5. उन सभी कर्मचारी (उक्त अधिनियम की धारा 2(ब) में यथा परिभाषित) जो यदि स्थापना को छूट न दी गयी होती तो वे भविष्य निधि के सदस्य बनने के पात्र होते, को सदस्य बनाया जायेगा।

6. यदि कोई कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (सांविधिक) या किसी अन्य छूट प्राप्त प्रतिष्ठान के भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उक्त प्रतिष्ठान में नियोजित होता है तो नियोजता को उसे तत्काल ही सदस्य के रूप नामांकित करना होगा तथा उसके पूर्ववर्ती नियोजता के पास उस कर्मचारी की जमा भविष्य निधि की राशि को अंतरित करवाकर उसके खाते में यह राशि जमा करवाने की व्यवस्था करनी होगी।

7. नियोजता, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अथवा केंद्रीय सरकार, जैसा भी हो, द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबंधन के लिए न्यासी बोर्ड का गठन करेगा।

8. भविष्य निधि न्यासी बोर्ड के पास जमा रहेगी जो अन्य बातों के साथ-साथ भविष्य निधि में प्राप्तियों का उचित हिसाब किताब तथा उसमें से किए गए भुगतानों तथा उनके पास शेष धनराशि के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के प्रति उत्तरदायी एवं जवाबदेह होगा।

9. न्यासी बोर्ड की प्रत्येक तिमाही में एक बार बैठक होगी तथा बोर्ड, केंद्रीय सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करेगा।

10. न्यासी बोर्ड द्वारा बनाए गए भविष्य निधि खातों की एक योग्य स्वतंत्र चाटई लेखाकार द्वारा वर्ष में एक बार लेखा परीक्षा की जाएगी। जहां आवश्यक समझा जाए, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त को किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक द्वारा खातों की पुनः लेखा परीक्षा करवाने का अधिकार होगा और उस पर आए व्यय को नियोजता द्वारा वहन किया जाएगा।

11. प्रत्येक लेखा वर्ष के लिए प्रतिष्ठान की लेखा-परीक्षित तुलन पत्र के साथ लेखा परीक्षित वार्षिक भविष्य निधि खातों की एक प्रति वित्तीय वर्ष के समाप्त होने के पश्चात छः महीने के भीतर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी।

इस प्रयोजनार्थ भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोजक स्वयं तथा कर्मचारियों द्वारा देय भविष्य निधि के अंशदान को प्रत्येक माह से अगले माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अन्तर्गत कर देगा जिसमें अंशदान देय होता है। नियोजक अंशदान की अदायगी में किए गए किसी विलम्ब के लिए न्यासी बोर्ड को उसी तरह से क्षतिपूर्ति करेगा जिस तरह से उन्ही परिस्थितियों में एक छूट प्राप्त प्रतिष्ठान करता है।

13. न्यासी बोर्ड धन को सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों के अनुसार निधि में निवेशित करेगा। न्यासी बोर्ड के नाम से प्रतिभूति ली जायेगी और उसे भारतीय रिजर्व बैंक के जमा-खाता नियंत्रण के अधीन एक अनुसूचित बैंक के अधिकार में रखा जाएगा।

14. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार निवेश न करने पर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त अथवा उसके प्रतिनिधि द्वारा यथा आरोपित अधिशुल्क को अदा करने के लिए पूरी तरह से और संयुक्त रूप से उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड कर्मचारियों के लिये क्रम से एक रजिस्टर रखेगा और व्याज की सामयिक ब्यूली गुनिश्चित करेगा।

16. न्यासी बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में जमा किया गया अंशदान, निकाली गई राशि एवं उस पर व्याज को दशविके लिए एक विस्तृत लेखा रखेगा।

17. बोर्ड प्रत्येक वित्तीय/लेखा वर्ष के समाप्त होने के छह माह के अन्दर प्रत्येक कर्मचारी के लिए एक वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18. बोर्ड वार्षिक लेखा विवरण जारी करने के बजाए प्रत्येक कर्मचारी को पास बुक जारी करेगा। वे पास-बुक कर्मचारियों के अधिकार में रहेगी और कर्मचारी द्वारा बोर्ड को प्रस्तुत करने पर अद्यतन कर दी जायेगी।

19. प्रत्येक कर्मचारी के खाते में प्रत्येक लेखा वर्ष के पहले दिन अग्रशेष में उसी दर से ब्याज की गणना की जाएगी जो न्यासी बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जायेगा किन्तु वह उक्त योजना के पैरा 60 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित किए गए दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यासी बोर्ड निवेश से कम लाभ प्राप्त होने अथवा किसी अन्य कारण से केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित की गई दर पर ब्याज देने में असमर्थ है, तो उसकी कमी नियोजक द्वारा पूरी की जाएगी।

21. नियोजक चोरी, धोखाधड़ी, गवन, दुरुपयोग अथवा किसी अन्य कारण से भविष्य निधि को होने वाले किसी अन्य घाटे को भी पूरा करेगा।

22. नियोजक और न्यासी बोर्ड भी केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा समय-समय पर यथा निर्धारित विवरणियाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को भेजेंगे।

23. यदि ऐसे मामलों में जिनमें उपरोक्त योजना के पैरा 69 के तहत निधि से किसी कर्मचारी की सदस्यता समाप्त हो जाती है प्रतिष्ठान की भविष्य निधि नियमावली में कर्मचारी के अंशदान को जम्मा करने का प्रावधान है तो न्यासी बोर्ड इस तरह से जम्मा की गई धनराशि के लिए अलग से लेखा-जोखा रखेगा और केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन पर यथा निर्धारित प्रयोजनों के लिए उसका उपयोग करेगा।

24. प्रतिष्ठान की भविष्य निधि नियमावली में निर्हित किसी बात के होते हुए भी सेवा निवृत्ति अथवा किसी अन्य प्रतिष्ठान में रोजगार प्राप्त करने पर किसी व्यक्ति की भविष्य निधि की सदस्यता समाप्त होने पर पाया गया कि यदि प्रतिष्ठान की भविष्य निधि नियमावली के अंतर्गत अपवर्तित इत्यादि भविष्य निधि अंशदान दर सांविधिक योजना के अन्तर्गत दी गयी दर की तुलना में अनुकूल नहीं है तो उसका अन्तर नियोजक द्वारा वहन किया जायेगा।

25. खातों की तैयार करना, विवरणियाँ प्रस्तुत करना, संचित राशि का अन्तरण इत्यादि सहित भविष्य निधि के सभी प्रशासनिक खर्चे नियोजक द्वारा वहन किए जाएंगे।

26. नियोजक समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित तथा समय-समय पर यथा संशोधित भविष्यनिधि नियमावली उसकी प्रमुख बातों को उस भाषा में जो कि वहाँ पर अधिकांश कर्मचारियों द्वारा बोली जाती है के अनुवाद सहित प्रतिष्ठान के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करेगा।

27. "समुचित सरकार" इस संबंध में प्रतिष्ठान को छूट जारी रखने के लिए कुछ और शर्तें निर्धारित कर सकती है।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत भविष्य निधि अंशदान की दर बढ़ायी जाती है तो कर्मचारी भविष्य निधि अंशदान की दर में समुचित वृद्धि करेगा जिससे कि प्रतिष्ठान

की भविष्य निधि योजना के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभ उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए गये लाभों से कम लाभकारी नहीं हों।

29. उपर्युक्त शर्तों में किसी का भी उत्संघन होने पर छूट को रद्द किया जा सकता है।

[सं. एम्. 35025/4/93-एस एस-II]

जे. पी. शुक्ला, अव्वर सचिव

New Delhi, the 17th March, 1994

S.O. 346.—Whereas Messrs. Indian Oil Corporation Ltd. (Marketing Division), 254-C Anni Besant Road, Worli, Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under para 27-A of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Scheme).

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under para 27-A of the said Scheme and in supersession of the Notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation No. S.O. 3057 dated the 25th August, 1967 subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

#### THE SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under para 27-A of the E.P.F. Scheme, 1952 of the said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the unexempted establishment and the said Scheme framed thereunder.

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishments shall not be less favourable than the Employees' Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. No amendment of the rules of the Provident Fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their points of view.

5. All employees [as defined in section 2(f) of the said Act who would have been eligible to become members of the provident fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a Provident Fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with the previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the Provident Fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or any officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the Contribution payable to the Provident Fund by himself and the employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay damages to the Board of Trustees for any delay in payment of the contributions in the same manner as an un-exempted establishment is liable under similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of accounts to every employee within six months of the close of financial accounting year.

The Board may instead of the annual statement of accounts issue pass books to every employee. Those pass books shall remain in the custody of the employee and shall be brought up to date by the Board on presentation by employees.

19. The accounts of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason then the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, mis-appropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe for time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employees' contributions in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amounts so forfeited and may utilise the same for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding any thing contained in the Provident Fund Rules of the establishment, if on the cessation of any individual from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate of contribution rate of forfeiture etc., under the P. F. Rules of the establishment are less favourable as compared to these under the statutory Scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[No. S-35025/4/93-SS II]  
J. P. SHKULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1994

का.आ. 847.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदे-द्वारा 1-4-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करती

है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 धारा 94 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (अर्थात् अध्याय 5 और 6) धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे अर्थात् :—

“जिले, दिन्डीगुल अन्ना के वेदासनथूर तालुक में राजस्व ग्राम कुलाथूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्य एस-38013/2/94-एस एस-1]

जे. पी. शुकला, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd March, 1994

S.O. 847.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employers' State Insurance Act, 1948 (31 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st April, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu, namely :—

“Areas comprising the revenue villages of Kulathur in Vedasanthur Taluk, Dindigul Anna District.”

[No. S-38013/2/94-SS.1]  
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली 22 मार्च, 1994

का.मा. 848.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गण में केन्द्रीय सरकार, उसे दिनांक 16-3-94 को प्राप्त श्री. हरियाणा मिनरल्स लि. प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मचारों और नियोजकों के बीच हुए औद्योगिक विवाद के संबंध में अनुबंध में यथोक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं न्यायालय चंडीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है।

[सं. एल-29012/34/90-आई आर विविध]  
बी.एम. डेविड डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd March, 1994

S.O. 848.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publish the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Haryana Minerals Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 18-3-1994.

[No. L-29012/34/90-IR(Mis.)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I D. 90/90

Laxmi Narain

V/s

Haryana Mineral Ltd.

For the workman : Shri B. S. Prabhakar.

For the management : Shri Baldev Attray.

#### AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-29012/34/90-I.R. (B) dated July 1990 issued U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of M/s. Haryana Minerals Ltd. in relation to their Antri Biharipur Mines in dismissing the services of Shri Laxmi Narain w.e.f. 17-6-1989 is just, fair and legal. If not, to what relief the worker concerned is entitled and from which date?”

2. Case of the petitioner as set out in the statement of claim that he remained employed with the respondent management at Antri Biharipur Mine from 15-4-1985 to 16-6-1989. He had worked continuously and regularly during the said period. His services were orally terminated on 17-6-1989 for no fault of his. His termination on 17-6-1989 without having served show cause notice, charge sheet and payment of retrenchment compensation is unjust, illegal and arbitrary. He was not given any opportunity of hearing before the order of termination is in violation of provisions of Industrial Disputes Act, 1947. He is stated to be totally unemployed and facing great hardship. He has thus sought reinstatement with full back wages with other benefits.

3. The management in their written statement has taken the preliminary objection that his Court has no jurisdiction. The petitioner was gainfully employed. Further objection of the management that as per provisions of clause No. 13(3)(H) of the Certified Standing Order. He was found guilty of riotous and disorderly behaviour during working hours at the establishment. A case was also registered U/S 107-151 of Cr. P.C. at Police Station Nanpal Chaudhary on 18-6-1989 at the instance of his superior Vijay Kumar. Thereafter the management dismissed his services on 7-7-1989 with payment of one month wage in lieu of notice period. Dismissal order is in accordance with the provisions of Certified Standing Order. On merits the plea of the management that the petitioner joined the services of the respondent on 18-9-1989 and his services were terminated on 17-6-1989. During his stay he was habitual absentee and never remained in service continuously and regularly. Further plea of the management that they decided to take disciplinary action against the petitioner and it was not necessary to give notice to him and he was given one month wages in lieu of notice period as required under the provisions of Certified Standing orders. Further plea of the management that a preliminary enquiry was conducted by the Manager Antri Biharipur Mine on the spot when the matter was reported by supervisor Vijay Kumar and the petitioner was given full opportunity of hearing and it was found that the petitioner is guilty of misconduct of riotous and disorderly behaviour at the mine. Only then it was decided to dismiss him from service. Action of the management is thus does not amount to retrenchment and is a disciplinary action and therefore, justified and sought the dismissal of this reference.

4. Replication was also filed reasserting the same facts as claimed in the statement of claim.

5. The petitioner filed his affidavit Ex. W1 in evidence. He also relied on the documents Ex. W2, MW1 Ramvatan Singh is the management's witness. He filed his affidavit Ex. M1. He also relied on the documents Ex. M2 the chart of number of days put in by the petitioner. He also relied on documents Ex. M3 and M4. The management also produced MW2 Vijay Kumar time keeper. He filed his affidavit Ex. M5. The respective parties closed their evidence.

6. I have heard both the parties gone through the evidence and record.

7. The plea of the management at the outset is that the petitioner has been duly dismissed from service under clause 13(3)(H) of the Certified Standing Orders which was duly applicable to the petitioner and action of the management does not amount to retrenchment. The management has also relied judgement Gujarat Steel Tube Ltd. Vs. Gujarat Steel Tubes Mazdoor Sabha reported in 1980 (1) L.L.J. page 137. After perusing all the aspects there is no merit in the plea of the management and the judgement cited is not applicable in the circumstances of the present case. In the Gujarat Steel Tubes Ltd. (supra) it was a case of workmen went on a strike which was admitted fact. Even then it



held that once we hold the discharge punitive the necessary consequence is that enquiry before punishment was admittedly obligatory and contessedly not undertaken and the order was bad on this score alone. Coming to the circumstances of the present case the petitioner was stated to have indulged in riotously and disorderly behaviour toward his senior Vijay Kumar time keeper for which a case U/S 107-151 of Cr. P. C. was registered. The management if at all wanted to punish the petitioner for the said misconduct on account of riotous behaviour it was incumbent upon the management to hold domestic enquiry before dismissing the services of the petitioner. In order to have the benefit of one of the exclusion clause of retrenchment as defined in Section 2(00) of the Industrial Disputes Act 1947 i.e. punishment inflicted by way of disciplinary action. The dismissal order dated 7-7-89 has been placed on the record. The same is Ex M4 which stipulates that his services are hereby dismissed with effect from 17-6-1989 and advised him to collect one month wages in lieu of notice period. However there is no proof of payment of retrenchment compensation. The management has also not shown whether any show cause notice was served to the petitioner before terminating his services or any regular enquiry was held. Present case is thus a case of 'no enquiry'. The domestic enquiry in the industrial law has acquired a great significance and industrial adjudication attaches considerable importance to such enquiry. It is settled law that an enquiry is not a empty formality but it is essential condition to the legality of the disciplinary order. In other words, before the delinquent workman can be dismissed for misconduct the employer should hold a fair and regular enquiry into the misconduct failing which the termination would be an illegality and per se void. Termination is a major penalty, certainly then a regular enquiry has got to be conducted in absence of which the termination is certainly illegal. I am also supported with the view taken in D. K. Yadav Vs. M/s. J.M.A. Industry Ltd. reported in 1993 (3) R.S.J page 696 where dismissal under the standing order without a valid enquiry has held to be arbitrary unjust and violative of principle of natural justice and was held that principle of natural justice must be read into the standing orders. The management stated to have conducted some preliminary enquiry but there is no evidence in that respect that who conducted the preliminary enquiry and what was its report. The management has produced two witnesses Ramyatan Singh manager and MW2 Vijay Kumar time keeper complainant.

Their evidence prima facie is self contradictory. Vijay Kumar stated to be injured states in cross-examination that he had complained about this to the manager. The said complaint was made orally. The witness Ramyatan Singh manager states that complaint was submitted in writing. Copy of the same has been placed as Ex. M3. According to the complainant Vijay Kumar he was given beating by the petitioner and some other worker but admittedly no medical examination of Vijay Kumar was done. Case too was registered only U/S 107-151 of Cr. P. C. MW2 Vijay Kumar in one hand states that he was at the site when the incident had taken place and in second breath he stated that after the incident he came to the office and started working in the office. It implies that prior to the incident he was also in the office. Therefore evidence of these two witnesses is no help to the management.

8. MW1 Shri Ramyatan Singh Manager the management's witness has admitted in cross-examination the chart Ex. M2 in relation to number of days put in by the workman. Ex. M2 has been perused. The petitioner had completed service of more than 240 days precedings 12 calendar months from the date of termination as defined under Section 25-D of the Industrial Disputes Act, 1947. Therefore he qualifies himself under the protection of Section 25-F of the Industrial Disputes Act 1947. It was mandatory for the management to have served a notice or to have given the pay in lieu of notice and retrenchment compensation before terminating his services to the petitioner. However as evident the management has not done so, thus violated the mandatory provision of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947.

9. In view of the discussion made in the earlier paras, the termination of the services of the petitioner is certainly illegal and he is thus ordered to be reinstated with all consequential benefits.

10. He has stated to have remained unemployed through out facing great hardship. The management has not proved to the effect that the petitioner was gainfully employed after his termination. It is thus ordered that the petitioner be paid full back-wages from the date of termination till his reinstatement.

Chandigarh.

31-1-94.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer